शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 60 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 27 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वडोदरा में 110 किमी. की रफ्तार से चली आंधी में चार की मौत, 29 वाहन क्षतिग्रस्त — पेज 2
असम समझौते की धारा 6 को लागू को लेकर अगप ने मुख्यमंत्री का जताया आभार — पेज 3
राहुल गांधी बताएं, देश विरोधी लोगों से उनका क्या रिश्ता : मुख्यमंत्री — पेज 5
कानपुर का ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम भारत-बांग्लादेश दूसरे टेस्ट के लिए तैयार — पेज 7

मुख्यमंत्री ने 16वें वित्त आयोग के साथ महत्वपूर्ण बैठक में लिया हिस्सा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज लोक सेवा भवन में 16वें वित्त आयोग और असम सरकार की बैठक में भाग लिया। ज्ञात हो कि आयोग की असम की चार दिवसीय यात्रा के तहत यह बैठक बीते कल शुरू हुई, जब प्रतिनिधिमंडल गुवाहाटी पहुंचा। उन्होंने असम के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय मामलों पर चर्चा करने के लिए डॉ शर्मा से उनके कार्यालय में मुलाकात की। बाद में, मुख्यमंत्री की उपस्थिति में, अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में सात सदस्यीय वित्त आयोग की टीम और असम के कैबिनेट मंत्रियों, मुख्य सचिव और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राज्य के वित्तीय रोडमैप पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के दौरान, डॉ शर्मा ने वित्त आयोग के समर्पित दौरे के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। वित्त विभाग ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें बिजली, उद्योग, -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम हिमंत के विभाजनकारी राजनीति को 2026 में खारिज करेगी असम की जनता : गौरव गोगोई

मुंबई। असम से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर राज्य में हिंदू-मुस्लिम विभाजन पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। गोगोई ने कहा कि असम के लोग ऐसी विभाजनकारी राजनीति को खारिज करने में सक्षम हैं। मुंबई में एक कॉन्क्लेव में बोलते हुए जब उनसे समान नागरिक संहिता और मुस्लिम विवाह कानून को निरस्त करने के राज्य विधेयक पर मुख्यमंत्री की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया तो गोगोई ने कहा कि असम के लोगों पर भरोसा करें। वे हिमंत विश्व शर्मा से कहीं ज्यादा समझदार और चतुर हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि 2026 में चुनाव होने हैं और असम के लोग भाजपा को उसकी फूट डालो और राज करो की राजनीति के लिए सबक सिखाएंगे। असम के लोग बुद्धिमान, सुसंस्कृत और सभ्य हैं। हम भावुक, भावुक और भावुक हैं। उन्होंने आगे कहा कि हिमंत विश्व शर्मा और वर्तमान भाजपा सरकार की राजनीति असम की संस्कृति के लिए एक विसंगति है। गोगोई ने यह भी आरोप लगाया कि शर्मा का रुख और टिप्पणियां उनकी अपनी पार्टी के भीतर भी विसंगतिपूर्ण हैं, उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री अपनी ही पार्टी में फूट डालो और राज करो का खेल खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम के लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

जम्मू-कश्मीर में भाजपा बहुमत से जीती तो पीओके भारत का हिस्सा होगा : योगी

जम्मू (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि अगर हम बहुमत से जम्मू-कश्मीर का विधानसभा चुनाव जीतते हैं तो आप देखेंगे कि पीओजेके जल्द ही भारत का हिस्सा बन जाएगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चल रहे विधानसभा चुनाव ऐतिहासिक प्रकृति के हैं और इसका परिणाम एनसी, पीडीपी और कांग्रेस के मुंह पर तमाचा होंगे। 1990 में इन पार्टियों ने पाकिस्तान और आतंकवाद का समर्थन किया था। अब जब प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर की धरती से आतंकवाद का सफाया कर दिया है, तो ये पार्टियां यहां फिर से आतंकवाद को पुनर्जीवित करने की वकालत कर रही हैं। योगी आदित्यनाथ एक अक्तूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के लिए मैदान में उतरे भाजपा उम्मीदवारों के लिए जम्मू के विजयपुर के रामगढ़ में रैली को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को भाजपा को भारी बहुमत से जिताना चाहिए, ताकि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओके) का भारतीय संघ में विलय हो सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पाकिस्तान की स्थिति भयावह है। देश टूट रहा है। पाकिस्तान में एक किलो आटे की कीमत 500 रुपए है। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देते हैं और 60 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है, जिसे बढ़ाकर 7 लाख रुपए कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से ही करतारपुर कॉरिडोर खुला है। आज जम्मू-कश्मीर आतंकवाद की राजधानी के बजाय पर्यटन की राजधानी के रूप में जाना जाता है। योगी ने कहा कि पहले अमरनाथ यात्रा पर खतरे थे लेकिन आज पूरे देश में भक्त बम बम भोले के नारे लगाते हुए आ रहे हैं और भगवान शिव की खुशबू देश के सभी हिस्सों में ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लाखों लोग माता वैष्णो देवी मंदिर में आ रहे हैं। 70 वर्षों तक जम्मू-कश्मीर को बर्बाद करने के लिए एनसी, कांग्रेस और पीडीपी पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि यह पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार थी, जिसने पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थियों और वाल्मीकियों को मतदान का अधिकार दिया जिन्हें जम्मू-कश्मीर पर शासन करने वालों ने इन अधिकारों से वंचित कर दिया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख डॉ. फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला पर बरसते हुए योगी ने कहा कि ये वही पार्टियां थीं, जिन्होंने 1990 में आतंकवाद का समर्थन किया और जब कश्मीर उबल रहा था, तब यूरोप और इंग्लैंड में छुट्टियां मनाईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भारी मतदान एक नया इतिहास लिख रहा है और भाजपा का विरोध करने वालों को करारा जवाब दिया जाएगा।

असम समझौते पर हिमंत का कदम राजनीतिक नौटंकी के अलावा कुछ नहीं : रिपुन

गुवाहाटी। असम समझौते के कार्यान्वयन पर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के कदम को *राजनीतिक नौटंकी* करार देते हुए, कांग्रेस नेता रिपुन बोरा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सीएम ने 2026 के विधानसभा चुनावों को जीतने के लिए यह मुद्दा उठाया है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद बोरा ने कहा कि हालांकि सरकार असम समझौते पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब कुमार शर्मा समिति की कई सिफारिशों को लागू करने का दावा कर रही है, लेकिन रिपोर्ट केंद्र को नहीं भेजी गई है, जिसने पैनल का गठन किया था। बोरा ने कहा कि कांग्रेस ने असम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और हम इसके कार्यान्वयन का समर्थन करते हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

वो व्यक्ति जो दूसरों के गुप्त दोषों के बारे में बातें करते हैं, वे अपने आप को बांबी में आवारा घूमने वाले सांपों की तरह बर्बाद कर लेते हैं।

- आचार्य चाणक्य

अरुणाचल और नगालैंड में छह महीने के लिए बढ़ा अफस्पा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नगालैंड के आठ जिलों और अरुणाचल प्रदेश के तीन जिलों समेत कुछ अन्य इलाकों में पहले से लागू सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून 1958 (अफस्पा) को और छह महीने का विस्तार दे दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को एक अधिसूचना जारी कर कहा कि नगालैंड के पांच अन्य जिलों के जिलों और 21 पुलिस स्टेशनों को एक अक्तूबर 2024 से अफस्पा के तहत *अशांत क्षेत्रों* के -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में बच्चों के यौन उत्पीड़न के लिए शख्स को मौत की सजा

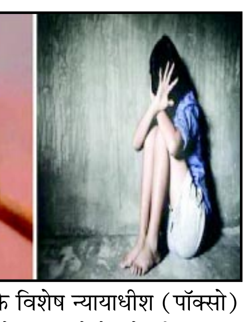

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के यूपीया में एक विशेष पॉक्सो अदालत ने एक आवासीय स्कूल में 15 लड़कियों सहित 21 बच्चों का यौन उत्पीड़न करने के जुर्म में एक व्यक्ति को गुरुवार को मौत की सजा सुनाई। यूपीया के पश्चिमी सत्र संभाग के विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) की अदालत ने मामले में संलिप्तता के लिए दो अन्य लोगों को भी 20-20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। मुख्य आरोपी युमकेन बागरा शि-योमी जिले के कारो सरकारी आवासीय विद्यालय -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

असम में महसूस किए गए भूकंप के झटके 4.3 मापी गई तीव्रता

गुवाहाटी। असम में गुरुवार शाम धरती कांपी और भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गई। वहीं इसका केंद्र कामपुर टाउन से करीब 5 किलोमीटर दूर था। भूकंप शाम को करीब 4:30 बजे आया। फिलहाल भूकंप से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट कर बताया कि एम का ईक्यू: 4.3, दिनांक: 26/09/2024, 16:30:52 आईएसटी, अक्षांश: 26.12 उत्तर, लंबाई: 92.54 पूर्व, गहराई: 25 किमी, स्थान: नागांव, असम। गौरतलब है कि भूकंप की तीव्रता को रिक्टर स्केल से मापा जाता है, जिसका स्केल 1 से 9 तक होता है। इसे भूकंप के केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। इसी तीव्रता से अंदाजा लगाया जाता है कि भूकंप का झटके कितना भयावह था।

गुणवत्ता परीक्षण में फेल दवाओं को कंपनी ने बताया नकली

नई दिल्ली। इंडियन ड्रग्स रेग्युलेटर सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) की रिपोर्ट में गुणवत्ता परीक्षण में फेल बताई गई पैरासिटामोल समेतद 53 दवाओं को दवा कंपनियों ने नकली बताया है। दवा कंपनी सन फार्मा और टोरेंट फार्मा ने दावा किया कि रिपोर्ट में फेल बताई गईं दवाएं हमारी कंपनी की नहीं हैं। उनकी कंपनी की दवाओं की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है। इंडियन ड्रग्स रेग्युलेटर सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने एक रिपोर्ट में पैरासिटामोल, कैल्शियम और विटामिन डी-3 की सप्लीमेंट, मधुमेह की गोलियां और -शेष पृष्ठ दो पर

घरेलू हिंसा पर एससी का ऐतिहासिक फैसला

महिला किसी भी धर्म की हो सब पर लागू होता है कानून

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा अधिनियम पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 हर महिला पर लागू होता है। चाहे उस महिला की धार्मिक संबद्धता और सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। जस्टिस बीवी नागरत्ना और एन. कोटिस्वर की खंडपीठ ने कहा कि 2005 में बना कानून हर महिला के अधिकार की रक्षा करता है। शीर्ष अदालत ने भरण-पोषण और मुआवजा देने से संबंधित मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली एक महिला द्वारा दायर अपील पर फैसला सुनाया। महिला ने अधिनियम की धारा 12 के तहत एक याचिका दायर की थी। इससे पहले एक मजिस्ट्रेट ने फरवरी 2015 में महिला को 12 हजार रुपए मासिक और एक लाख रुपए मुआवजा देने के उसके पति को निर्देश दिए थे। महिला के पति ने 2015 के आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी। पति ने अधिनियम की धारा 25 के तहत मजिस्ट्रेट से आदेश में परिवर्तन करने की अपील की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद पति ने अपीलीय अदालत के सामने अपनी मांग रखी। इसे अपीलीय अदालत ने स्वीकार करते हुए दोनों पक्षों को अपने साक्ष्य लाकर मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने को कहा। इसके बाद महिला ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। -शेष पृष्ठ दो पर

जेएमएम का मतलब जमकर मलाई मारो : राजनाथ

धनबाद (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भाजपा की परिवर्तन यात्रा को लेकर गुरुवार को धनबाद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर चुटकी लेते हुए कहा कि जेएमएम का मतलब जमकर मलाई मारो है। परिवर्तन महासभा को संबोधित करते हुए उन्होंने न सिर्फ केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया, बल्कि विपक्षी पार्टियों पर भी जमकर बरसे। कोयलांचल धनबाद के गोल्फ ग्राउंड पर राजनाथ ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को लेकर कहा, मुख्यमंत्री प्रदेश का नेता होता है और उस मुख्यमंत्री को जेल की हवा खानी पड़ी और वो भी भ्रष्टाचार के आरोप में। उन्होंने कहा कि राजनीति ऐसे नहीं चलती। राजनीति लोक लाज और मर्यादा से चलती है। उन्होंने राहुल गांधी को भी निशाने पर लिया। साथ ही कहा कि वो (राहुल गांधी) विदेश जाकर -शेष पृष्ठ दो पर

डिजिटल क्रांति के युग में कंप्यूटिंग क्षमता राष्ट्रीय क्षमता का पर्याय बन रही है : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 130 करोड़ रुपए की लागत वाले तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए। राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत स्वदेशी रूप से विकसित इन सुपरकंप्यूटरों को अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान की सुविधा के लिए पुणे, दिल्ली और कोलकाता में लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री ने मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन भारत के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है और यह शोध और विकास को प्राथमिकता देकर देश की प्रगति का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत संभावनाओं के अनंत क्षितिज में नए अवसर तलाश रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये सुपरकंप्यूटर देश के युवा वैज्ञानिकों को अत्याधुनिक -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल की यूएस को दो टूक जंग रोकने से भी किया इंकार

यरुशलेम। इजराइल ने अमेरिका के शांति प्रयासों पर पानी फेरते हुए युद्ध विराम से इंकार कर दिया है। अमेरिका, फ्रांस और उनके सहयोगियों ने बुधवार को इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच बढ़ते संघर्ष को रोकने के लिए 21 दिनों के तत्काल युद्धविराम की अपील की है। हाल के दिनों में लेबनान में इस संघर्ष में 600 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह संयुक्त बयान न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान वार्ताओं के बाद जारी किया गया। इसमें कहा गया कि हालिया लड़ाई असहनीय है और व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का खतरा पैदा कर रही है। बयान में कहा गया कि हम लेबनान-इजराइल सीमा पर तत्काल 21 दिनों के युद्धविराम की अपील करते हैं ताकि कूटनीति के लिए स्थान बन सके। हम सभी पक्षों, जिसमें इजराइल और लेबनान की सरकारें शामिल हैं, से इस अस्थायी युद्धविराम को तुरंत स्वीकार करने का आग्रह करते हैं। इजराइल, लेबनान या हिज्बुल्लाह की ओर से इस पर कोई तत्काल प्रतिक्रिया नहीं आई, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि सभी पक्ष इस युद्धविराम की अपील से अवगत हैं। इससे पहले, इजराइल और लेबनान के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

वडोदरा में 110 किमी. की रफ्तार से चली आंधी में चार की मौत, 29 वाहन क्षतिग्रस्त

वडोदरा (हि.स.)। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान 182 तहसीलों में बारिश हुई। वलसाड जिले की उमरपाडा में 7 इंच बारिश हुई है। बारिश के साथ आंधी के कारण जिलों में नुकसान की भी खबर है। आंधी-वर्षा के कारण वडोदरा में सर्वाधिक नुकसान होने की जानकारी मिली है। बुधवार शाम 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी में 4 लोगों की मौत हो गई और 300 से अधिक पेड़, बिजली के पोल और होर्डिंग गिर गए। गुरुवार सुबह 6 बजे तक 150 पेड़ों की कटिंग का काम पूरा हो चुका है। शहर के कई क्षेत्रों में गिरे पेड़ों को हटाने की प्रक्रिया जारी है। वडोदरा में बुधवार को देर शाम 6 बजे के करीब आंधी-तूफान, बिजली की गढ़गढ़ाहट के साथ बारिश हुई। साथ ही 110 किलोमीटर की रफ्तार से आई आंधी ने 300 से अधिक पेड़ों को धराशायी कर दिया। 57 बिजली के पोल भी गिर गए। दर्जनों की संख्या में होर्डिंग हवा में उड़ गए। आंधी-तूफान के कारण 4 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। इसमें एक 24 वर्षीय सिविल इंजीनियर युवक है। इसके अलावा जिले की पादरा तहसील में पीपीलीगाम घंटीवालु फलिया निवासी किरणसिंह छत्रसिंह राठौड़ (50) की मौत हो गई। राठौड़ बुधवार शाम बाइक से जा रहा था, इस दौरान अंबाशकरी के समीप रोड पर नीलगिरी का बड़ा पेड़ उसके सिर पर गिर गया। वडोदरा शहर के कपुराई के समीप मूल सूरत के वराछा निवासी जगदीश हीरपरा (45) कार लेकर हाइवे पर जा रहा था, इस दौरान बड़ा बोर्ड उस पर गिर गया। इससे उसकी मौत हो गई। इसके अलावा मूल दाहोद निवासी जनक निनामा (29) हालोल से वडोदरा की ओर जा रहा था। टौल टैक्स के पास उसकी बाइक फिसल गई, गंभीर रूप से घायल युवक को हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। सभी के शवों का सयाजी हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम किया जा रहा है। फायर विभाग के अनुसार अभी तक 14 कार, 14 टू व्हीलर, 1 रिक्शा मिलाकर कुल 29 वाहनों को आंधी-तूफान से नुकसान हुआ है। विभागीय अधिकारी के अनुसार गुरुवार सुबह 6 बजे तक 150 पेड़ों की कटिंग का काम पूरा हो चुका है। अभी शहर के कई क्षेत्रों में पेड़ गिरे हैं, जिसे हटाने की प्रक्रिया जारी है। बिजली विभाग (एमजीवीसीएल) के अधीक्षक धर्मेश पटेल ने बताया कि आंधी-तूफान के कारण वडोदरा शहर के करीब 40 फीडर बंद हो गए थे। हालांकि, सभी को दुरुस्त कर लिया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सियाचिन बेस कैंप का किया दौरा

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को सियाचिन बेस कैंप का दौरा किया और सियाचिन युद्ध स्मारक पर वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने यहां तैनात सैनिकों को संबोधित करते हुए देश की रक्षा के प्रति उनके असाधारण योगदान की सराहना की। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सियाचिन युद्ध स्मारक पर वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह स्मारक उन सैनिकों और अधिकारियों के बलिदान का प्रतीक है जो 13 अप्रैल 1984 को सियाचिन ग्लेशियर पर भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन मेघदूत शुरू करने के बाद से बलिदान हुए हैं। सियाचिन बेस कैंप में तैनात सैनिकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में उन्हें उनपर गर्व है और सभी नागरिक उनकी बहादुरी को सलाम करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अप्रैल 1984 में ऑपरेशन मेघदूत शुरू होने के बाद से भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर सैनिकों और अधिकारियों ने इस क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्हें गंभीर मौसम की स्थिति का सामना करना पड़ता है। भारी बर्फबारी और माइनस 50 डिग्री तापमान जैसी कठिन परिस्थितियों में भी ये पूरी निष्ठा और सतर्कता के साथ अपने मोर्चे पर तैनात रहते हैं। वे मातृभूमि की रक्षा में त्याग और सहनशीलता का असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने जवानों से कहा कि सभी भारतीय उनके बलिदान और वीरता से परिचित हैं और हम उनका सम्मान करते हैं। इससे पहले लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (डॉ.) बी डी मिश्रा ने थोइस एयरफील्ड पहुंचने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का स्वागत किया। वे बेस कैंप के दौरे के दौरान उनके रहे।

मानहानि मामले में संजय राउत को 15 दिन की सजा

मुंबई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष किरीट सोमैया की पत्नी डॉ. मेधा किरीट सोमैया के मानहानि मामले में मझगांव मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गुरुवार को शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने उन्हें 15 दिन की कैद और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। शिवसेना यूबीटी की उपनेता सुषमा अंधारे ने कहा कि इस निर्णय को ऊपरी कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। जानकारी के अनुसार मीरा भयंदर शहर में 154 सार्वजनिक शौचालयों में से 16 के निर्माण का कांट्रैक्ट भाजपा नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया की युवा फाउंडेशन को दिया गया था। शिवसेना नेता संजय राऊत ने जाली दस्तावेज जमा करके मीरा-भायंदर नगर निगम के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था। उनका यह भी आरोप था कि इस काम में सौ करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। इस आरोप के बाद मेधा सोमैया ने वकील विवेकानंद गुप्ता के मार्फत मझगांव मजिस्ट्रेट कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इसी मामले में आज कोर्ट ने संजय राउत को 15 दिन की कैद और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

अमेरिका में फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका में एक बार फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया। इस बार कैलिफॉर्निया के सैक्रामेंटो में अज्ञात लोगों ने बीएपीएस हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की। पास की इमारत में जलापूर्ति करने वाले पाइपों को क्षतिग्रस्त कर दिया। मंदिर की दीवारों पर *हिंदुओं वापस जाओ* के नारे लिख दिए। इस घटना से स्थानीय हिंदू और दक्षिण एशियाई समुदाय सदमे में है। इस घटना से आहत बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने एक्स पर यह विवरण साझा किया। बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने कहा कि न्यूयॉर्क में बीएपीएस मंदिर में तोड़फोड़ के 10 दिन से भी कम समय में सैक्रामेंटो में कल रात हमारे मंदिर को हिंदू विरोधी नफरत से कलंकित किया गया। दीवारों पर लिखा गया-हिंदुओं वापस जाओ। हम नफरत के खिलाफ एकजुट हैं। शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं। इस घटना पर सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय की टिप्पणी सामने आई है। सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा है कि बुधवार सुबह माथेर में एक हिंदू मंदिर में हुई संभावित घृणा अपराध की जांच की जा रही है। यह सब आर्मस्ट्रांग एवेन्यू के पास स्थित स्वामीनारायण मंदिर में हुआ। जांच के दौरान मंदिर के पार्किंग स्थल के प्रवेश द्वार और शामियाने पर भारत के प्रधानमंत्री के लिए अपशब्द और संदर्भित भित्तिचित्र मिले। पास की एक इमारत में पानी की आपूर्ति करने वाले पाइप भी काट दिए गए। पुलिस फिलहाल घटना में शामिल लोगों की तलाश कर रही है। बीएपीएस पब्लिक अफेयर्स ने सैक्रामेंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय का इसके लिए आभार जताया है।

जबरन चंदा वसूली करने वालो पर होगी सख्त कारवाई : एसपी

पूर्वी चंपारण (हिंस)। पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात ने आम जनता द्वारा सड़कों पर जबरन चन्दा वसूली पर सभी थानाध्यक्ष को कड़े निर्देश जारी किए हैं और अपना मोबाइल नंबर भी शेयर करते हुए इससे संबंधित सूचना देने को कहा है। उन्होंने सभी थानाध्यक्षओ को अपने-अपने क्षेत्र में सड़कों पर चंदा वसूली को बंद कर वसूली करने वालो पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। वही लोगो से अपील की है कि इस तरह की चन्दा वसूली होने पर उनके मोबाइल नंबर पर तस्वीर व जानकारी साझा करें। मोतिहारी एसपी के सरकारी नंबर 9431822988 पर वाट्सअप के जरिए सूचना देने को कहा गया है। उन्होंने कहा है कि जिले में किसी प्रकार की गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

BDB/Tender/46/2023-24/2136 *Date 25/09/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 days which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractors of Class-I (A, B & C), Class-II & Class-III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under Sports & Youth Welfare Dept. (SOPD-G) BTR Kokrajhar during the financial year 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 2.00PM on 19/10/24 and will be opened on the next date (as on 21/10/24 & place at 2.30 PM.)

Sl. No.	Name of activity	Estd. Value (in Rs.)	Tender Value	EMD/Bid Security (in Rs.)	Cost of Tender paper (in Rs.)	Pre-bid date and Time	Last date & time of bid submission	Date & Time of bid opening	Time of completion of Work
1	Land Dev. with Const, of goal post at Niz Sekhar rainbow youth club playground under Nagachuba VCDC in Udalguri Dist	7.00 L	7.00 L	7,000/-for S/T,S/C) 14,000/-(for OBC/ General	210	28/9/24	19/10/24	21/10/24	6 month
2	Repairing of boundary wall and earth work at khutaw club, Dimakuchi under Dimakuchi VCDC in Udalguri Dist	10.00 L	10.00 L	10,000/-for S/T,S/C) 20,000/-(for OBC/ General	300	28/9/24	19/10/24	21/10/24	6 month

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 28/9/24 to 21/10/24 up to 1.30 PM. In the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/bankers cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC Kokrajhar payable at Kokrajhar.

Sd/-
Block Development Officer,
Bhergaon Dev. Block, Bhergaon

IPR(BTC)/C/2024-25/603

पृष्ठ एक का शेष

मुख्यमंत्री ने 16वें ...

जल जीवन, आपदा प्रबंधन, आवास और शहरी नियोजन, जल संसाधन, पूंजी निवेश, जल परिवहन आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में राज्य की उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाया गया। असम के विकासात्मक कदमों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे असम ने अपनी कानून और व्यवस्था की स्थिति में पर्याप्त सुधार का अनुभव किया है, जो एक महत्वपूर्ण कारक है जिसने राज्य में बढ़ते निवेश को आकर्षित किया है। उन्होंने असम के सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला, जिसमें कहा गया कि असम एक आश्रित राज्य से भारत के आर्थिक इंजन में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनने के लिए तैयार है। आज की बैठक में 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया, सचिव ऋत्विक पांडे, सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ मनोज पांडा, डॉ सौम्या कांति घोष, संयुक्त सचिव राहुल जैन, असम सरकार के मंत्री, मुख्य सचिव डॉ रवि कोटा और सभी विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सीएम हिमंत के ...

पर भरोसा करें; वे इस राजनीति को समझते हैं। वे असम के मुख्यमंत्री से ज्यादा समझदार और चतुर हैं। अगस्त में, हिमंत विश्व शर्मा सरकार ने राज्य में मुसलमानों के बीच विवाह और तलाक के पंजीकरण को नियंत्रित करने वाले कानून को निरस्त करने के लिए एक विधेयक पारित किया। जबकि मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य बाल विवाह को खत्म करना और *काजी* प्रणाली से दूर जाना है, इसे समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जाता है। मुस्लिम विरोधी माने जाने वाले एक अन्य कदम में, शर्मा ने हाल ही में विधानसभा में शुक्रवार को दो घंटे की नमाज़ के अवकाश को रद्द कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि यह उत्पादकता बढ़ाने और औपनिवेशिक युग की प्रथाओं को त्यागने की दिशा में एक कदम है। इस साल जुलाई में शर्मा ने दावा किया था कि 2041 तक राज्य मुस्लिम बहुल हो जाएगा और कहा कि मुस्लिम आबादी हर 10 साल में करीब 30 प्रतिशत बढ़ रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनसांख्यिकी में बदलाव का मुद्दा राजनीतिक नहीं, बल्कि *जीवन और मृत्यु का मामला* है।

असम समझौते पर ...

हम इस पहल की सराहना करते हैं, लेकिन यह बहुत कम और बहुत देर से उठाया गया कदम है। अमित शाह ने संसद में कहा था कि सभी सिफारिशों को अक्षरशः लागू किया जाएगा। उसका क्या हुआ? असम सरकार और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (एएएसयू) ने बुधवार (25 सितंबर) को स्वदेशी आबादी के हितों की रक्षा के लिए असम समझौते के खंड 6 पर न्यायमूर्ति शर्मा समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन पर चर्चा की। बोरा ने दावा किया कि केंद्र द्वारा 12 सिफारिशें लागू की जानी हैं, जबकि 14 समवर्ती सूची का हिस्सा हैं और इन्हें संयुक्त रूप से क्रियान्वित किया जाएगा। हालांकि, इन्हें केंद्र को भी नहीं भेजा गया है। उन्होंने कहा कि हिमंत विश्व शर्मा सरकार केवल राज्य के दायरे में आने वाले सुझावों के बारे में बात कर रही है। बोरा ने कहा कि इसलिए हमें उनकी और भाजपा सरकार की सिफारिशों को लागू करने की ईमानदारी पर संदेह है। हमारा मानना है कि यह 2026 के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के लिए एक चुनावी हथकंडा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने असम समझौते के खंड 6 के त्वरित कार्यान्वयन के लिए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब कुमार शर्मा की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) का गठन किया था। 25 फरवरी 2020 को समिति ने असम समझौते के कार्यान्वयन पर अपनी रिपोर्ट तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपने के लिए सौंपी थी। अक्तूबर 2021 में, असम सरकार ने 39 साल पुराने असम समझौते के सभी खंडों, विशेष रूप से न्यायमूर्ति बिप्लब कुमार शर्मा पैनल द्वारा तैयार खंड-6 रिपोर्ट के कार्यान्वयन के लिए तीन महीने के भीतर एक रूपरेखा तैयार करने के लिए आठ सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसने अभी तक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। 4 सितंबर को मुख्यमंत्री ने कहा कि असम मंत्रिमंडल ने असम समझौते के खंड 6 पर न्यायमूर्ति बिप्लब कुमार शर्मा समिति द्वारा दी गई 67 सिफारिशों में से 57 को लागू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने असम की मूल आबादी की भूमि, भाषा और संस्कृति की रक्षा और संरक्षण के लिए समिति द्वारा दी गई विभिन्न सिफारिशों पर विस्तार से चर्चा की। असम समझौते पर 1985 में छह साल तक चले हिंसक विदेशी विरोधी आंदोलन के बाद हस्ताक्षर किए गए थे। इसमें अन्य प्रावधानों के अलावा यह भी कहा गया था कि 25 मार्च 1971 या उसके बाद असम आने वाले सभी विदेशियों के नाम का पता लगाया जाएगा, उन्हें मतदाता सूची से हटाया जाएगा और उन्हें निर्वासित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

अरुणाचल और नगालैंड ...

रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। नगालैंड के जिन जिलों में अफस्पा लागू है, उनमें डीमापुर, निउलैंड, चुमाउकेदिमा, मोन, किफिर, नोकलाक, फेक और पेरेन शामिल हैं। यह निर्णय इन पूर्वोत्तर राज्यों में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद लिया गया है। बता दें कि सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून,1958 (अफस्पा) के तहत केंद्र सरकार राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर किसी राज्य या क्षेत्र को अशांत घोषित कर वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात करती है। अफस्पा के तहत सशस्त्र बलों को कहीं भी अभियान चलाने और बिना पूर्व वारंट के किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार प्राप्त है।

अरुणाचल में बच्चों ...

के छात्रावास का वार्डन था, जहां उसने 2019 से 2022 के बीच 6 से 15 वर्ष की आयु की 15 लड़कियों सहित 21 बच्चों का यौन उत्पीड़न किया था। राजधानी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि सह-आरोपी मार्बोम गोमदिर हिंदी शिक्षक है, जबकि सिंगतुन योरपेन विद्यालय का पूर्व प्रधानाध्यापक है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बागरा को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 328 और 506 के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 6, 10 और 12 के तहत दोषी ठहराया गया और उसके अपराध की गंभीरता को देखते हुए उसे मौत की सजा सुनाई गई। सिंह ने कहा कि यह निर्णय न केवल तात्कालिक मुद्दे का समाधान करता है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा के बारे में व्यापक सामाजिक जागरूकता के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में भी कार्य करता है, तथा उनके अधिकारों और कल्याण की रक्षा करने की सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत करता है। आवासीय विद्यालय में यौन शोषण का मामला तब प्रकाश में आया जब दो बहनों ने पिछले साल दो नवंबर को अपने माता-पिता से इसकी शिकायत की। दो दिन बाद जिले के मोनीगोंग पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। बागरा फरार था और पुलिस ने उसे पिछले साल नवंबर में गिरफ्तार कर लिया था। इस साल 21 जुलाई को गुवाहाटी उच्च न्यायालय की इटानगर पीठ ने स्वतः संज्ञान लेते हुए बागरा को दी गई जमानत रद्द कर दी थी। अदालत ने यूपीया के पॉक्सो अधिनियम मामलों के विशेष न्यायाधीश द्वारा पारित जमानत आदेश सहित प्रासंगिक रिकॉर्ड की प्रतियां भी अपने पास मंगायी थीं।

गुणवत्ता परीक्षण में ...

हाई ब्लड प्रेशर की दवाओं सहित 50 से अधिक दवाओं को औषधि नियामक द्वारा किए गए गुणवत्ता परीक्षण में फेल बताया था। इसे लेकर सन फार्मा कंपनी की ओर से कहा गया कि कंपनी ने मामले की जांच की। इसमें पाया कि पल्मोसिल (सिल्डेनाफिल इंजेक्शन), बैच नंबर केएफए0300; पैंटोसिड (पैंटोप्राजोल टैबलेट आईपी), बैच नंबर एसआईडी2041ए और उर्सोकोल 300 (उर्सोडॉक्सिकोलिक एसिड टैबलेट आईपी), बैच नंबर जीटीए1350ए नकली हैं। इन बैच की दवाओं को सन फार्मा ने नहीं बनाया है। कंपनी की ओर कहा गया कि हम मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। हमारे दवा ब्रांड पर क्यूआर कोड रहता है। जिससे मरीज आसानी से उन्हें स्कैन करके प्रमाणिकता सत्यापित कर सकते हैं। इसके अलावा हमने सुरक्षा के लिए एक 3डी सुरक्षा पट्टी भी शामिल की है। वहीं टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स ने कहा कि हमने शेल्कल 500 के उसी बैच का मूल्यांकन किया, जिसका सीडीएससीओ ने परीक्षण किया था। हमने पाया कि जब्त किया गया नमूना टोरेंट ने नहीं बनाया है। यह नकली है। कंपनी ने शेल्कल पर क्यूआर कोड लागू किया है। इसकी प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए बैच विनिर्माण विवरण प्रदर्शित किया गया है। सीडीएससीओ द्वारा जब्त किए गए नमूने में यह क्यूआर कोड नहीं है। वहीं अल्केम लैबोरेटरीज के प्रवक्ता ने कहा कि दवा कंपनी गुणवत्ता को अत्यधिक महत्व देती है। रिपोर्ट में फेल बताए गए उत्पाद नकली हैं और अल्केम ने नहीं बनाए हैं। कंपनी इस मामले पर अधिकारियों से बातचीत कर रही है। ग्लेनमार्क के एक प्रवक्ता ने कहा कि सूची में दिखाया गया उत्पाद नकली और ग्लेनमार्क द्वारा निर्मित-वितरित नहीं किया गया है। हमने जिम्मेदार संगठन के रूप में हमेशा मरीजों की सुरक्षा और उत्पादों की गुणवत्ता को प्राथमिकता दी है। प्रवक्ता ने कहा कि हम सभी फार्मेसी आउटलेट्स से अपील करते हैं कि वे हमारे अधिकृत स्टॉकिस्टों से ही ग्लेनमार्क उत्पाद खरीदें।

महिला किसी भी...

हाईकोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी और मजिस्ट्रेट को पति की ओर से दायर आवेदन पर विचार करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि पीड़ित व्यक्ति अधिनियम के प्रावधानों के तहत दिए गए आदेश में परिवर्तन, संशोधन या निरस्त करने की मांग कर सकता है, लेकिन यह तभी संभव है जब उन परिस्थितियों में परिवर्तन हुआ हो। इस मामले में मजिस्ट्रेट तभी निरस्त या संशोधन आदेश दे सकते हैं, जब वह मानते हों कि परिस्थितियों में बदलाव हुआ है और आदेश में संशोधन की आवश्यकता है।

डिजिटल क्रांति के ...

तकनीक उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल क्रांति के युग में, कंप्यूटिंग क्षमता राष्ट्रीय क्षमता का पर्याय बन रही है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था, व्यापार करने में आसानी, आपदा प्रबंधन क्षमता और जीवन जीने में आसानी ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जो सीधे तौर पर प्रौद्योगिकी और कंप्यूटिंग क्षमताओं पर निर्भर नहीं है। यह क्षेत्र उद्योग 4.0 में भारत की सफलता का सबसे बड़ा आधार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की हिस्सेदारी बिट्स और बाइट्स तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि टेराबाइट्स और पेटाबाइट्स तक विस्तारित होनी चाहिए। इसलिए आज का अवसर इस बात का प्रमाण है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज का भारत दुनिया के बाकी देशों की क्षमताओं से मेल खाने भर से संतुष्ट नहीं रह सकता, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से मानवता की सेवा करना अपना दायित्व समझता है। अंतरिक्ष और सेमीकंडक्टर उद्योगों पर विशेष ध्यान देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में भारत द्वारा की गई प्रगति पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां भारत साहसिक निर्णय न ले रहा हो या नई नीतियां न ला रहा हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत एक महत्वपूर्ण शक्ति बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत के वैज्ञानिकों ने सीमित संसाधनों के साथ वही उपलब्धि हासिल की, जहां अन्य देशों ने अपनी सफलता पर अरबों डॉलर खर्च किए। प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर विकास का एक अनिवार्य तत्व बन गए हैं। उन्होंने इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए भारत सेमीकंडक्टर मिशन के शुभारंभ का उल्लेख किया और छोटी अवधि में देखे गए सकारात्मक परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपना सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बना रहा है, जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि विज्ञान का वास्तविक उद्देश्य केवल नवाचार और विकास ही नहीं है, बल्कि आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करना भी है। डिजिटल अर्थव्यवस्था और यूपीआई का उदाहरण देते हुए, मोदी ने बताया कि भारत उच्च तकनीक वाले क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है, लेकिन यह सुनिश्चित कर रहा है कि यह तकनीक गरीबों को सशक्त बनाती रहे।

इजराइल की यूएस...

प्रतिनिधियों ने 2006 में इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच युद्ध को समाप्त करने वाले संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव का समर्थन दोहराया। लेकिन अब इजराइल ने अमेरिका के शांति प्रयासों पर पानी फेरते हुए युद्ध विराम से इंकार कर दुनिया को टेंशन में डाल दिया है। इस बीच लेबनान की एक इमारत पर ताजा इजराइली हवाई हमले में 23 सीरियाई कामगारों की मौत हो गई तथा आठ अन्य जख्मी हो गए। लेबनान के सरकारी मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। नेशनल न्यूज एजेंसी ने कहा कि यह हमला देश के पूर्वोत्तर हिस्से में बुधवार देर शाम किया गया। यह इलाका लेबनान की पूर्वी बेका घाटी में स्थित प्राचीन बालबेक शहर के पास है जो सीरियाई सीमा से सटा है। एजेंसी ने यूनीन गांव के महापौर अली कस्सास के हवाले से कहा कि सीरिया के 23 लोगों के शवों को इमारत के मलबे से निकाला गया है। उन्होंने कहा कि हमले में चार सीरियाई एवं चार लेबनानी लोग जख्मी हुए हैं। लेबनानी रेड क्रॉस ने कहा कि उसने नौ शव बरामद किए हैं, जबकि अन्य शव हिजबुल्लाह चरमपंथी समूह की पैरामेडिक सेवा और लेबनानी नागरिक सुरक्षा द्वारा बरामद किए गए हैं। इजराइल ने लेबनान में कई दिनों तक भारी हमले किए हैं। इजराइल ने कहा है कि उसने हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया है, जिसने इजराइल पर सैकड़ों रॉकेट दागे हैं। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, लेबनान में 630 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें से लगभग एक चौथाई महिलाएं और बच्चे हैं। बता दें कि इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दोनों देशों से शांति बनाए रखने की अपील की थी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युद्ध शुरू होता है तो पूरे पश्चिम एशिया में तबाही फैल सकती है। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा कि वह इस्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम के प्रयास कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी अपने बयान में कहा कि इजराइल-लेबनान के बीच युद्ध का खतरा पूरे क्षेत्र में विनाशकारी हो सकता है।

जेएमएम का मतलब ...

लगातार भारत की छवि को धूमिल करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भले ही भारत में लंबे समय तक कांग्रेस की हुकूमत रही हो लेकिन जब भी हमारी सरकार (भाजपा) विदेश गई, वहां भारत का सिर ऊंचा करने का काम किया। राजनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के एक भाषण का जिक्र करते हुए विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने (राजीव गांधी) कहा था कि हम जनता के लिए राजकोष से 100 पैसा भेजते है, तो बड़ी मुश्किल से 15 पैसा आमजनों तक पहुंचता है और 85 पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि उसके बावजूद कांग्रेस ने कभी भी भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की दिशा में कोई भी प्रयास नहीं किया जबकि नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने पहले ही कैबिनेट की बैठक में भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसने की अपनी मंशा को साफ कर दिया था। यही कारण है कि आज हमारी सरकार केंद्र से यदि 100 पैसा जरूरतमंदों के लिए भेजती है तो 100 का 100 पैसा उन जरूरतमंदो की जेब तक पहुंच जाता है। राजनाथ ने कहा कि यदि देश में *वन नेशन वन इलेक्शन* सिस्टम को लागू कर दिया जाए तो जनता की गाड़ी कमाई के चार लाख करोड़ रुपए की बचत हो जाएगी। किसानों को लेकर कहा कि हमारी सरकार पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत देश के हर छोटे और सीमांत किसानों को हर साल 6 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। अंत में उन्होंने धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और धनबाद विधायक राज सिन्हा को अपने समक्ष खड़े कर धनबाद की जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि धनबाद की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में धनबाद की छह की छह सीट भाजपा को जीता कर देती है और झारखंड में भाजपा की सरकार बनती है तो वे एक बार पुनः धनबाद की धरा पर आकर शीश झुकाते हुए यहां की जनता के प्रति आभार व्यक्त करेंगे। इससे पूर्व राजनाथ हेलीकॉप्टर से सीधे धनबाद के बरवाअड्डा स्थित हवाई अड्डे पर पहुंचे। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी मौजूद थे।

कोकराझाड़ जिला प्रशासन की दुर्गा पूजा समारोह के लिए समीक्षा बैठक आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला आयुक्त मसंदा पार्टिन की अध्यक्षता में आज एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिले में आगामी दुर्गा पूजा समारोहों की तैयारी की समीक्षा और आकलन किया गया। इस बैठक में प्रशासन के प्रमुख अधिकारियों एडीसी वदियुल इस्लाम, कविता रानी डेका, जीतुराज गोगोई, अतिरिक्त एसपी नबनीता शर्मा और अग्निशमन सेवा, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग जैसे विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों के सदस्य भी इस बैठक में उपस्थित थे। जिला आयुक्त ने सार्वजनिक सुरक्षा और धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, सुगम, सुरक्षित और उत्सवपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भीड़ प्रबंधन, यातायात नियमों, सार्वजनिक सुरक्षा उपायों और अग्नि सुरक्षा प्रोटोकॉल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को उजागर किया। साथ ही पूरे समारोह के दौरान शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने प्लास्टिक की बोतलों और कपों के बजाय बायोडिग्रेडेबल पदार्थों का उपयोग करने पर बल दिया और प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी करने का आग्रह किया। स्वास्थ्य विभाग से आग्रह किया गया कि वह प्रमुख पूजा स्थलों पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करे और किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहे। अग्निशमन सेवाओं ने प्रमुख उत्सव स्थलों के पास अग्निशमन दल की तैनाती और पंडालों की अग्नि सुरक्षा जांच करने की प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा, बैठक में सफाई बनाए रखने और स्वच्छता उपायों पर जोर दिया गया, जिसमें कोकराझाड़ नगर पालिका बोर्ड को पूरे त्योहार के दौरान कचरा प्रबंधन के प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया गया।

असम समझौते की धारा 6 को लागू को लेकर अगप ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

गुवाहाटी (हिंस)। असम गण परिषद (अगप) ने गुरुवार को असम समझौते की धारा-6 के कार्यान्वयन पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब शर्मा समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए असम सरकार द्वारा अभूतपूर्व कदम उठाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को आधिकारिक तौर पर धन्यवाद और बधाई दी है। असम गण परिषद की ओर से अध्यक्ष एवं असम सरकार के कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा, कार्यकारी अध्यक्ष केशव महंत, उपाध्यक्ष बिष्णु दास और अपूर्ब भट्टाचार्य, महासचिव मनोज सैकिया, डॉ. तपन दास, सुनील डेका और मणिमाधव महंत और सचिव गुणमणि भुइंया के साथ ही कई पार्टी कार्यालय के पदाधिकारियों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री के कार्यालय लोकसेवा भवन पहुंचकर उनसे मिलकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। अगप अध्यक्ष अतुल बोरा ने कहा कि अगप को गर्व है कि वह असम समझौते की धारा-6 को लागू करने में सक्षम है, जब अगप मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा द्वारा नेतृत्व करने वाली सरकार का सहयोगी

सहकारिता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के कार्यकारी पार्षद डॉ. नीलूत स्वर्गीयारी ने सहकारिता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया। आज रौता के देउरीगांव में स्वांग महिला उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड का दौरा करते हुए डॉ. स्वर्गीयारी ने बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) में सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो के नेतृत्व में, बीटीआर परिषद सरकार क्षेत्र के समग्र विकास के लिए महिलाओं की क्षमता का भरपूर उपयोग करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। यह दौरा और बैठक बीटीआर की महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और सामुदायिक उत्थान के उपकरणों से लैस करने के उद्देश्य आयोजित गई थी। डॉ. स्वर्गीयारी ने कहा कि सहकारी आंदोलन में महिलाओं की भूमिका बीटीआर में सामाजिक-आर्थिक विकास और सामूहिक समृद्धि प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। उनकी भागीदारी क्षेत्र के लिए एक मजबूत और सतत भविष्य सुनिश्चित करती है।

सातवें राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर जागरूकता बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। सातवें राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर बुधवार को कामरूप जिले के बेजेरा सार्वजनिक सभागार में एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। असम राज्य शिशु अधिकार सुरक्षा आयोग और कामरूप जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय के सौजन्य से आयोजित बैठक में कामरूप जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के आंगनबाड़ी पर्यवेक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों के बीच एनीमिया का पता लगाने, बाल विकास निगरानी, बाल पूरक आहार, पोषण के साथ-साथ शिक्षा और सुशासन के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए यह बैठक आयोजित की गई। बैठक में कमलपुर विधायक दिगंत कलिता, मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्य अधिकारी हेमंत चौधूरी, राज्य सरकार की महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव देव कलिता, असम राज्य बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष श्यामल प्रसाद सैकिया और आयोग के सदस्य क्रमशः फणींद्र बुजरबरुवा और बंदना चाचनी ने भाग लिया। बैठक में गणमान्य व्यक्तियों ने आशा व्यक्त की कि समाज कल्याण विभाग बाल स्वास्थ्य के विकास और गर्भवती और प्रसूति महिलाओं के उचित पोषण को सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम में उपस्थित जिला समाज कल्याण पदाधिकारी भूपेन भट्टाचार्य ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की व्याख्या की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई तथा कार्यक्रम के संयोजन में बच्चों के भोजन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इसी समारोह में कई गर्भवती माताओं को पंचामृत खिलाया गया।

एडीआरई परीक्षा से पहले कोकराझाड़ और कामरूप जिले में निषेधाज्ञा लागू

कोकराझाड़/रंगिया (हिंस/विभास)। असम डायरेक्ट रिक्रूटमेंट परीक्षा (एडीआरई) आगामी रविवार (29 सितंबर) को आयोजित होने वाली है। इसके मद्देनजर कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने परीक्षा के दौरान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित माहौल सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। जिले में लगभग 45 हजार उम्मीदवारों के आने की संभावना को देखते हुए, कोकराझाड़ जिला मजिस्ट्रेट मसांदा पार्टिन ने धारा 163 बीएनएसएस के तहत निषेधाज्ञा जारी की है। इन आदेशों के अनुसार, 29 सितंबर को जिले के सभी दैनिक बाजार और साप्ताहिक हाट बंद रहेंगे। ये एकतरफा आदेश सार्वजनिक शांति बनाए रखने और परीक्षा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी किए गए हैं। यदि कोई व्यक्ति इन आदेशों से असंतुष्ट है, तो वह किसी भी समय जिला मजिस्ट्रेट से इन आदेशों को रद्द, संशोधित, या छूट के लिए आवेदन कर सकता है। यह सक्रिय कदम प्रशासन की परीक्षा प्रक्रिया के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ज्ञात हो कि पिछले दिनों भी इसी तरह की परीक्षा आयोजित की गई, जिसके लिए निषेधाज्ञा जारी की गई थी। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार राज्य सरकार के अधीन विभिन्न प्रतिष्ठानों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के खाली पदों की लिखित परीक्षा आगामी 29 सितम्बर और 27 अक्तूबर को कामरूप जिले विभिन्न सात क्षेत्रों के अंतर्गत 155 केंद्रों पर भी आयोजित की जाएगी। परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित कराने के लिए तथा परीक्षा प्रक्रिया किसी भी अवांछित बाहरी शक्ति से प्रभावित न हो और परीक्षा केंद्रों के चारों तरफ कोई भी व्यक्ति शांतिपूर्ण माहौल को विनष्ट न कर पाए इसको देखते हुए तथा परीक्षा के दौरान वातावरण को शांतिपूर्ण और स्वच्छ बनाए रखने के लिए कामरूप ग्रामीण जिले के दंडाधिकारी ने परीक्षा के दौरान बी एन एस एस की धारा 163 के अधीन कुछ प्रतिबंध जारी किए है। इसके अनुसार, परीक्षा केंद्र के 100 मीटर के दायरे में परीक्षार्थी, लिपिकों और परीक्षा संचालन और निगरानी के प्रभारी कर्मचारियों को छोड़कर अन्य कोई भी व्यक्ति इकट्ठा नहीं हो सकेगा। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या प्रोग्रामेबल उपकरण या स्टोरेज वाले मीडिया उपकरण जैसे- स्मार्ट घड़ी, हेल्थ बैंड, इलेक्ट्रॉनिक पेन/स्कैनर, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयर फोन, माइक्रोफोन था इस प्रकार के अन्य कोई भी उपकरण *चालू या बंद* किसी भी स्थिति में ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा कैलकुलेटर, पेनड्राइव, कागज के टुकड़े, पाठ्यपुस्तकें (मुद्रित या लिखित) या कोई अन्य सामग्री जिसका उपयोग धोखाधड़ी से परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए किया जा सकता है, उसे अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। आदेश में कहा गया है कि इस निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून की लागू धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

एक ही रात को दो नामघरों में चोरी

रंगिया (विभास)। रंगिया के धार्मिक स्थलों पर फिर चोरी होने की घटना सामने आई है। इस बार रंगिया के चेनिमारा में एक ही रात को दो नामघरों में चोरों ने सफाई अभियान चलाया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चोरों ने सबसे पहले श्री श्री बंशी गोपाल सत्र में प्रवेश कर कीमती सामानों की तलाश में जुट गए। इस दौरान उन्होंने 26 सोने के फूल, 150 चांदी के फूल और एक भागवत ग्रंथ सहित नगद 25 हजार रूपए लेकर फरार हो गए। इसके आलावा चोरों ने मंदिर के आसपास तोड़फोड़ भी की। बताया गया है कि स्थानीय लोगों ने घटना के बारे में खबर पाकर चोरों को पकड़ने की कोशिश की परंतु चोर तेज रफ्तार से फरार हो गए। दूसरी ओर उसी रात को उक्त नामघर के पास ही स्थित चेनिमारा मध्यचुआ नामघर में भी चोरी की घटना हुई। चोरों ने नामघर से कई गमछे चोरी कर फरार हो गए। फिलहाल पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिलांतर्गत फकीरगंज के शालकाटा से राधुराम की ओर जा रही एक बाइक आज सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि, अन्य एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान इस्माइल हुसैन (58) के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इस्माइल हुसैन को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल अन्य एक व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूत्रों ने बताया है कि हादसे की वजह नशे में धुत युवक द्वारा तेज रफ्तार बाइक चलाने की वजह से हुआ। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

रंगिया में विश्व फार्मासिस्ट दिवस के मौके पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के मौके पर असम की रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट संस्था के कामरूप जिला समिती के सौजन्य से रंगिया के तीनाली में बुधवार को एक निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सौ से भी अधिक मरीजों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ नि:शुल्क दवा का वितरण किया गया। शिविर में दो चिकित्सकों तथा स्वास्थ्य कर्मीयों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। संस्था के कामरूप जिला समिति के अध्यक्ष दिगंत कुमार वैश्य ने संवाद माध्यम के जरिए लोगों से अनुरोध किया कि पंजीकृत फार्मासी से ही दवाएँ खरीदें। साथ ही दवा खरीदने के पहले फार्मासी के बारे में जानकारी हासिल करने के अलावा फार्मासिस्ट की अर्हता के बारे में भी जान लेवे। इसके अलावा उन्होंने आह्वान किया कि डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक्स लेने में सावधानी बरतें। शिविर में असम पंजीकृत फार्मासिस्ट संस्था कामरूप जिला समिती के अध्यक्ष दिगंत कुमार बैश्य, सचिव हासेन अली, सह सचिव मोईनुल हक चौधरी और अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गोसाईगांव : राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर भीषण सड़क हादसा

कोकराझाड़ (हिंस)। जिले के गोसाईगांव में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर आज एक दूध का टैंकर (यूपी-15सीटी-1917) दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उक्त हादसे में टैंकर का चालक लगभग आधे घंटे तक टैंकर की केबिन में फंसा रहा। घटना कि सूचना मिलते हि सेरफानगुड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से चालक को बाहर निकालर एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया। खबरों के मुताबिक टैंकर उत्तर प्रदेश से गुवाहाटी की ओर जा रहा था। इसी बीच अचानक टैंकर के सामने चल रहे ट्रक ने ब्रेक लगाया, जिसकी वजह से टैंकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस मामले में सेरफानगुड़ी पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर घटना कि जांच शुरू कर दिया है।

मायुमं, कामाख्या शाखा की कार्यकारिणी एवं आम सभा का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा की अध्यक्ष स्नेहल बीदासरिया की अध्यक्षता में फैंसी बाजार स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में वर्तमान सत्र की छठी कार्यकारिणी सभा एवं दूसरी साधारण सभा का आयोजन किया गया। छठी कार्यकारिणी सभा में अध्यक्ष ने सभा प्रारंभ की घोषणा की एवं सबका स्वागत किया। उसके साथ ही आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। सभा में मंत्री ने प्रतिवेदन व कोषाध्यक्ष ने आय व्यय का व्यौरा प्रस्तुत किया। राष्ट्र गान के साथ कार्यकारीणी सभा समाप्ति की घोषणा हुई। उसके तत्पश्चात दूसरी साधारण सभा प्रारंभ हुई। जिसमे सर्व प्रथम असम जातिय गीत गाया गया। अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया एवम आगामी कार्यक्रमों पर विषेश चर्चा हुई। जिसमें आगामी 5 नवंबर को शाखा स्थापना दिवसके उपलक्ष्य में 25 वीं रजत जयंती के कार्यक्रमों पर व अन्य विषयों पर चर्चा हुई। अंत में सचिव अनुसुया शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा समाप्ति की घोसणा की गई।

बोड़ोलैंड पिग मिशन और एएयू के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

बीटीआर को पूर्वोत्तर का *पिग एंड पोर्क हब* बनाने का मार्ग प्रशस्त

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में पशुपालन और पशु चिकित्सा क्षेत्र को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, बोड़ोलैंड पिग मिशन (बीपीएम) और असम कृषि विश्वविद्यालय (डीआरवी-एएयू) के अनुसंधान निदेशालय (पशु चिकित्सा) ने आज गुवाहाटी के खानापारा में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन बीटीआर के भीतर किसानों को पशुधन रोगों के लिए उन्नत निदान सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के पशु चिकित्सा बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और पशुधन की भलाई में सुधार करना है। एमओयू हस्ताक्षर समारोह में बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो और असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिद्युत चंदन डेका के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति और प्रमुख हितधारक उपस्थित थे। इस पहल से बीपीएम द्वारा पहचाने गए सुअर पालन में लगे 24,000 से अधिक

परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है, क्योंकि इससे उन्हें रोग की रोकथाम और प्रबंधन के लिए आधुनिक नैदानिक सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में बोलते हुए, बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोरो ने ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने और पशुधन क्षेत्र की स्थिरता सुनिश्चित करने में सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी बीटीआर के सुअर पालन क्षेत्र को बदलने और हजारों किसानों की आजीविका को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बीटीसी के प्रधान सचिव आकाश दीप ने भी बीटीआर की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ पैदा करने की पहल की क्षमता को रेखांकित किया और कहा कि यह सहयोग बीटीआर में एक मजबूत पशुधन अर्थव्यवस्था बनाने के व्यापक दृष्टिकोण का एक हिस्सा है। समारोह में पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग (एएचवीडी), बीटीसी के सचिव दीथानंद हजारिका निदेशक, एएचवीडी, बीटीसी, डॉ. ज्योतिपद दास; सलाहकार, एएचवी, बीटीसी, डॉ. भगत लाल दत्ता, ओएसडी (कृषि/पशु चिकित्सा), बीटीसी, पुष्पधर दास, एएयू के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रोफेसर और शोधकर्ता।

BDB/Tender/46/2023-24/2137 *Date 25/09/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 days which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractors of Class-I (A, B & C), Class-II & Class-III category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under Sports & Youth Welfare Dept. (SOPD-G) BTR during the financial year 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 2.00PM on 19/10/24 and will be opened on the next date (as on 21/10/24 & place at 2.30 PM.)

Sl. No.	Name of activity	Estd. Value (in Lakhs)	Tender Value (in Lakhs)	EMD/Bid Security, (in Rs.)	Cost of Tender paper (in Rs.)	Pre-bid date and Time	Last date & time of bid submission	Date & Time of bid opening	Time of completion of Work
1	Land Dev. with const. of goal post at Khasibari Jabrang club Playground Hanchara VCDC in Udalguri Dist.	7.00 L	7.00 L	(for 7000 ST, SC) 14,000/- (for OBC/ General)	210	28/9/24	19/10/24	21/10/24	6 month
2	Land Dev. with Const. of goal post at Burapujasali playground under Totolapara VCDC In Udalguri Dist.	7.00 L	7.00L	(for 7000 ST, SC) 14,000/- (for OBC/ General)	210	28/9/24	19/10/24	21/10/24	6 month
3	Land Dev. with const. of goal post at South Kahibari village playground Hanchara VCDC in Udalguri Dist.	7.00 L	7.00L	(for 7000 ST, SC) 14,000/- (for OBC/ General)	210	28/9/24	19/10/24	21/10/24	6 month

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 28/9/24 to 21/10/24 up to 1.30 PM. in the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/bankers cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC Kokrajhar payable at Kokrajhar.

Sd/-
Block Development Officer,
Bhergaon Dev. Block, Bhergaon

IPR(BTC)/C/2024-25/604

संपादकीय

बेरोजगारी से स्वरोजगार

आवधिक श्रम बल सर्वे रपट के अनुसार, देश में बेरोजगारी घट रही है और मौजूदा दर 3.2 फीसदी पर ठहर गई है। यह डाटा सरकारी है, लिहाजा उसे ही विश्वसनीय आधार मान कर आकलन किए जाते हैं। भारत में बेरोजगारी दर अमरीका, यूरोप, चीन, अरब देश की तुलना में सबसे कम है, लेकिन आज भी गोवा, पंजाब, राजस्थान, केरल आदि राज्यों में बेरोजगारी राष्ट्रीय औसत से अब भी अधिक है। यदि समुदायों का डाटा देखा जाए, तो अल्पसंख्यक सिखों में सबसे अधिक बेरोजगारी है। हिंदू और सवर्ण भी काफी बेरोजगार हैं। हालांकि बीते छह सालों में बेरोजगारी दर आधी रह गई है। सुखद यह है कि 25 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में काम करने वालों अथवा काम तलाश करने वालों की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। यह दर सिक्किम में सर्वाधिक 60.5 फीसदी है। छत्तीसगढ़ में यह दर 51.3 फीसदी है, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र में क्रमशः 45.2 फीसदी और 44.5 फीसदी है। राजस्थान और पंजाब में कामकाजी आबादी की दर 40 फीसदी से अधिक है, लेकिन बिहार, उप्र, झारखंड जैसे राज्यों में यह दर सबसे कम है। जब आवधिक श्रम बल सर्वे की रपट का अध्ययन करते हैं, तो महिलाओं की श्रम-बाजार में हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इसी के साथ स्व-रोजगार का रुझान भी बढ़ा है। भारत में स्व-रोजगार की परिभाषा और क्षेत्र ही सवालिया हैं। रेहड़ी-पटरीवालों से लेकर परचून के दुकानदार, कृषि और लघु, सूक्ष्म उद्यमी सभी स्व-रोजगार की परिधि में आते हैं, लिहाजा उनकी आय अलग-अलग है। स्व-रोजगार के तहत जो स्थितियां लघु और सूक्ष्म उद्योगों की चीन में है, उसकी तुलना में भारत काफी पीछे है। रपट खुलासा करती है कि यदि एक नौकरीपेशा व्यक्ति को 21,000 रुपए से अधिक माहवार वेतन मिलता है, तो स्व-रोजगार वाले की औसतन आय 17,000 रुपए से कुछ अधिक है। जाहिर है कि कोई व्यक्ति नियमित और निश्चित आय वाली नौकरी छोड़ कर कम आय वाले और बेहद असुरक्षित स्व-रोजगार में जाना पसंद नहीं करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार स्व-रोजगार को प्रोत्साहन देती रही है, लेकिन उसकी परिस्थितियां बदलनी चाहिए, ताकि स्व-रोजगार से भी बेहतर आमदनी प्राप्त की जा सके। देश में स्व-रोजगार वाले 58.4 फीसदी लोग हैं, नौकरी वाले 21.7 फीसदी और दिहाड़ीदार 19.8 फीसदी लोग हैं। स्व-रोजगार वाले 39 फीसदी लोग अकेले ही काम करते हैं, जबकि 19.4 फीसदी अपने परिवार के कारोबार में हाथ बंटाते हैं। उन्हें अलग से कोई वेतन नहीं दिया जाता। कृषि क्षेत्र में सबसे ज्यादा 82 फीसदी स्व-रोजगार वाले हैं। करीब 17 फीसदी दिहाड़ीदार भी खुद को स्व-रोजगारी मानते हैं। देश में स्व-रोजगार वाले सर्वाधिक 72.9 फीसदी अरुणाचल प्रदेश में हैं। उप्र में भी 72.7 फीसदी स्व-रोजगारी हैं। इस रपट के जरिए एक आश्चर्यजनक डाटा सामने आया है कि हरियाणा में चुनाव से कुछ दिन पहले ही सार्वजनिक किया गया है कि हरियाणा में बेरोजगारी सबसे अधिक घटी है। सर्वे के मुताबिक, यह दर 3.4 फीसदी है, जो 2022-23 में 6.1 फीसदी थी। तब गोवा की यह दर सर्वाधिक 9.7 फीसदी होती थी। मप्र एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां बेरोजगारी दर 0.9 फीसदी है। इस सूची में दूसरे स्थान पर गुजरात (1.1 फीसदी) और तीसरे स्थान पर झारखंड (1.3 फीसदी) है। बहरहाल यदि स्व-रोजगार के क्षेत्र में सुधार लाए जाएंगे, तो औसत नौकरी के लिए मारा-मारी भी कम होगी, नतीजतन बेरोजगारी दर भी कम होती रहेगी। यह तथ्य भी सामने आया है कि नौकरीपेशा को वेतन के अलावा अन्य सुविधाएं भी न देनी पड़ें, लिहाजा नियोक्ता 61.1 फीसदी कर्मचारियों को नियुक्ति-पत्र ही नहीं देते हैं। दूसरी तरफ दिहाड़ीदार मजदूरों की संख्या कम होती जा रही है, जाहिर है कि कल-कारखानों में उत्पादन, निर्माण घटा है अथवा लघु उद्योग निष्क्रिय होते जा रहे हैं। नतीजा यह है कि जो मजदूर बेरोजगार होते हैं, वे अपने गांव या पैतृक स्थान लौटने लगते हैं। फिर वे खेती या अन्य पारिवारिक कारोबार में काम करने लगते हैं। बुनियादी तौर पर ऐसे लोग बेरोजगार हैं, लेकिन सरकारी डाटा में उन्हें स्व-रोजगारी बताया गया है। सबसे चिंतित डाटा यह है कि 15-29 आयु वर्ग में जो बेरोजगार होते हैं, वे औसत बेरोजगारी दर से तीन गुना अधिक हैं और वह संख्या बीते एक अंतराल से घट नहीं पा रही है। बेरोजगारी के मुद्दे पर मृग-मरीचिका वाली स्थिति भी है, लिहाजा उन भ्रमित आंकड़ों समेत विश्लेषण किया जाना चाहिए।

भारत में बेरोजगारी दर अमरीका, यूरोप, चीन, अरब देश की तुलना में सबसे कम है, लेकिन आज भी गोवा, पंजाब, राजस्थान, केरल आदि राज्यों में बेरोजगारी राष्ट्रीय औसत से अब भी अधिक है। यदि समुदायों का डाटा देखा जाए, तो अल्पसंख्यक सिखों में सबसे अधिक बेरोजगारी है। हिंदू और सवर्ण भी काफी बेरोजगार हैं। हालांकि बीते छह सालों में बेरोजगारी दर आधी रह गई है। सुखद यह है कि 25 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में काम करने वालों अथवा काम तलाश करने वालों की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। यह दर सिक्किम में सर्वाधिक 60 .5 फीसदी है। छत्तीसगढ़ में यह दर 51 .3 फीसदी है, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र में क्रमश : 45 .2 फीसदी और 44 .5 फीसदी है।

सिंचाई की व्यवस्था नहीं होने से किसानों की फसल भी नष्ट हो रही

पानी की कमी से प्रभावित होती खेती और पशुपालन

जमना शर्मा

जलवायु परिवर्तन और जल प्रबंधन में कमी यहां के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए लगातार एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। अनियमित वर्षा और भूजल भंडार में कमी ने कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति को प्रभावित किया है। महिलाओं और किशोरियों को अक्सर कई किलोमीटर दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे उनका स्वास्थ्य और किशोरियों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। जिन्हें स्कूल छोड़कर पानी की व्यवस्था के लिए भटकना पड़ता है।

राजस्थान का रेगिस्तान अपनी कठोर जलवायु और सूखे के लिए जाना जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में पानी की कमी ने इस मुद्दे को और भी गंभीर बना दिया है। जलवायु परिवर्तन और जल प्रबंधन में कमी यहां के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए लगातार एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। अनियमित वर्षा और भूजल भंडार में कमी ने कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति को प्रभावित किया है। महिलाओं और किशोरियों को अक्सर कई किलोमीटर दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे उनका स्वास्थ्य और किशोरियों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। जिन्हें स्कूल छोड़कर पानी की व्यवस्था के लिए भटकना पड़ता है। वहीं समय पर सिंचाई की व्यवस्था नहीं होने से किसानों की फसल भी नष्ट हो रही हैं। पानी की कमी ने राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में आय का सबसे बड़ा माध्यम मवेशी पालन को भी बुरी तरह से प्रभावित किया है। राज्य के बीकानेर जिला से 90 किमी और ब्लॉक लूणकरणसर से करीब 18 किमी दूर राजपुरा हुडान गांव भी पीने के साफ़ पानी की कमी से जूझ रहा है। 2011 की जनगणना के अनुसार इस गांव की आबादी लगभग 1863 है। आर्थिक रूप से कमज़ोर इस गांव की अधिकतर आबादी कृषि पर निर्भर है। जिन परिवारों के पास कृषि के लायक ज़मीन नहीं है उसके अधिकतर सदस्य मज़दूरी करने शहर जाते हैं। इस गांव में वैसे तो और भी कई बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, लेकिन पीने के साफ़ पानी की किल्लत यहां के लोगों की सबसे बड़ी समस्या है। जिससे वह प्रतिदिन जूझ रहे हैं। गांव के 63 वर्षीय मूलाराम कहते हैं कि यहां उपलब्ध पानी इतना खारा है कि केवल इंसान ही नहीं, बल्कि जानवरों के पीने लायक भी नहीं होता है। कई बार मज़बूरी में जिन लोगों ने इस पानी का इस्तेमाल किया वह विभिन्न प्रकार की बिमारियों से ग्रसित हो गए हैं। वहीं जानवरों को पिलाने पर वह भी बीमार हो गए। कई जानवर इस पानी को पीने के कारण मर चुके हैं। वह बताते हैं कि इस समस्या के हल के लिए सरकार कई स्तरों पर काम कर रही है, लेकिन राजपुरा हुडान गांव को अभी भी उन योजनाओं के क्रियान्वयन का इंतज़ार है, जिससे उनके पानी की समस्या हल हो सके। एक अन्य निवासी 36 वर्षीय रूगाराम

कहते हैं कि राजपुरा हुडान गांव के लोग आर्थिक रूप से काफी कमज़ोर हैं। गांव की अधिकतर आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करती है। बहुत कम लोगों के पास खेती के लायक अपनी ज़मीन है। जिनके पास है उनकी फसल भी अनियमित वर्षा और सिंचाई के अन्य साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण ख़राब होने के कगार पर है। वह कहते हैं कि यहां उपलब्ध पानी इतना खारा है कि उसे दैनिक दिनचर्या में इस्तेमाल भी नहीं किया जा सकता है। ऐसे में गांव वाले लूणकरणसर ब्लॉक से पीने के पानी का टैंकर मंगाते हैं। एक बार टैंकर मंगवाने की कीमत 800 से 1500 रुपए तक होती है। जिसे गांव वाले आपस में चंदा करके मंगवाते हैं। यह आर्थिक रूप से कमज़ोर इन ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त बोझ है। इस पानी का वह अपने साथ साथ मवेशियों को भी पिलाते हैं क्योंकि यहां मिलने वाला खारा पानी यदि मवेशियों को पिला दिया जाए तो वह बीमार हो जायेंगे। वह कहते हैं कि सरकार द्वारा शुरू किया गया 'जल जीवन मिशन' इस समय राजपुरा हुडान के लोगों के लिए बहुत आवश्यक है। ऐसे में अधिकारियों और संबंधित विभाग को इसकी आवश्यकता समझते हुए यहां जल्द से जल्द इस मिशन को पूरा करनी चाहिए ताकि ग्रामीणों को पीने का साफ़ पानी उपलब्ध हो सके। राजपुरा हुडान गांव में पानी की किल्लत का सबसे अधिक बोझ महिलाओं और किशोरियों को उठाना पड़ रहा है। जिनकी न केवल दैनिक दिनचर्या बल्कि स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रही है। 50 वर्षीय उमा देवी कहती हैं कि घर के लोगों और मवेशियों के पीने के पानी की व्यवस्था के लिए महिलाओं को सुबह से शाम तक भागदौड़ करनी पड़ती है। दूर दूर जाकर पानी लाना पड़ता है। जिससे उनके स्वास्थ्य पर काफी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। जिन घरों में गर्भवती महिलाएं हैं उन्हें भी ऐसी ही हालत में पानी के लिए जाना पड़ता है। वह कहती हैं कि गांव के अधिकतर परिवार मवेशी पालन करते हैं। जिनमें भेड़, बकरियां और ऊंट हैं। इनके लिए भी पानी की व्यवस्था करना महिलाओं के ज़िम्मे होता है। वहीं 19 वर्षीय किशोरी मीरा कहती है कि माहवारी के समय पानी की कमी से कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार घर में पानी उपलब्ध नहीं होने से खारा पानी पीने की मज़बूरी रहती है। जो पेट की समस्या को और भी अधिक बढ़ा देता है। मीरा कहती है कि अक्सर माहवारी के समय भी पानी के लिए किशोरियों को घर की महिलाओं के साथ दूर दूर तक चलना होता है। जो स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से काफी कष्टकारी होता है। वहीं 48 वर्षीय मोला राम कहते हैं कि पानी की कमी के कारण कृषि पर निर्भर किसानों को फसल उगाने में बहुत कठिनाई होती है। वहीं पशुओं के लिए चारे और पानी की कमी ने हमारे आर्थिक संकट को और भी अधिक बढ़ा दिया है। वह कहते हैं कि ग्रामीण इलाकों में जल संसाधन गायब हो रहे हैं और लोगों को पानी के लिए दूरदराज के इलाकों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसकी कमी न केवल मानव जीवन को प्रभावित कर रही है बल्कि जानवरों के लिए भी विनाशकारी साबित हो रही है। मोला राम के अनुसार राजस्थान का अधिकांश भाग रेगिस्तानी है, जहाँ वर्षा पहले से ही कम होती है। लेकिन हाल के वर्षों में वर्षा में और कमी तथा भूमिगत जल स्तर में लगातार गिरावट ने स्थिति को अधिक गंभीर बना दिया है। इसी गांव के निवासी 32 वर्षीय तेजा राम पानी की समस्या और समाधान के बारे में बताते हुए कहते हैं कि इस स्थिति से निपटने के लिए झरनों, तालाबों और कुओं जैसे पारंपरिक जल भंडारों को पुनर्जीवित करने और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक विकसित करने की जरूरत है। जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन अब ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आवश्यक बन गया है, इसलिए अब सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी।

दृष्टिकोण

डिजिटल इंडिया पर भारी साइबर ठगी

भारत में अब डिजिटलाइजेशन के चलते फल-सब्जी, दूध-राशन इत्यादि खरीदने से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग तक सब कुछ कैश पेमेंट के बिना आसानी से खरीदा-बेचा जा रहा है। डिजिटलाइजेशन ने जिंदगी को इतना आसान बना दिया है कि अब बैंक की लंबी लाइन में लगे बिना बिजली-पानी-बीमा का भुगतान घर बैठे हो रहा है और एक रुपए से लेकर लाखों तक का डिजिटल ट्रांजैक्शन महज एक क्लिक पर हो रहा है। लेकिन वहीं साइबर अपराधों में हो रही बढ़ोत्तरी ने लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाना भी शुरू कर दी है। पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के पालमपुर की एक महिला से 20 लाख 38 हजार रुपए की ठगी का मामला साइबर थाना धर्मशाला में दर्ज हुआ है, जबकि हिमाचल में पिछले साढ़े सात महीनों में 44 करोड़ रुपए के फाइनांशियल फ्रॉड के मामले दर्ज हुए हैं। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के अनुसार अप्रैल 2024 तक 740957 से ज्यादा साइबर फ्रॉड की शिकायतें पूरे भारतवर्ष में दर्ज की गई हैं, जबकि जनवरी से अप्रैल के बीच 1750 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की गई। पिछले आठ महीनों में हिमाचल के साइबर थानों में करीब 110 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिसमें लोगों ने अपने आप रुपयों को दोगुना करने के चक्कर में या फिर अज्ञानतावश अपनी धनराशि गंवा दी है। साइबर सैल द्वारा पिछले साढ़े सात माह के मामलों की जांच में पाया गया कि इनमें सबसे अधिक 40 फीसदी मामले इन्वैस्टमैंट फ्रॉड के हैं, 30 फीसदी फ्रॉड स्टॉक मार्किट से जुड़े हुए थे, 15 से 20 फीसदी मामले ब्लॉक चेन के सामने आए हैं, जबकि 10 प्रतिशत मामले ठगी के होते हैं, जिसमें बच्चे को पकडऩे सहित कई अन्य बातें कहकर पैसे ऐंठे जाते हैं। 5 फीसदी मामले रंगदारी के भी सामने आए हैं। हिमाचल प्रदेश के शास्त्री प्रदीप कुमार ने अपने फेसबुक अकॉउंट में सूचित किया है कि किसी ने उनके बैंक अकॉउंट से 14800 रुपए निकाल लिए हैं। फेसबुक अकाऊंट हैक कर परिचितों से रुपए मांगने के मामले तो आम ही हो चुके हैं। साइबर ठगों द्वारा ठगी के यह मामले कोई नए नहीं हैं, बल्कि इस तरह के मामले पूरे भारत से आए दिन सामने आते रहते हैं। केंद्र सरकार ने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाने का फैसला किया है। साथ ही विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के लिए सीएफएमसी बनाया गया है। इसी तरह से समन्वय प्लेटफार्म साइबर अपराध के आंकड़े संग्रहित करने, साइबर अपराध का मानचित्र बनाने, उनका विश्लेषण करने के साथ ही साइबर अपराध के विरुद्ध काम करने वाली एजेंसियों के लिए वन स्टाप पोर्टल के रूप में काम करेगा। साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए साइबर कमांडो तैनात किए जाएंगे। विशेष रूप से प्रशिक्षित साइबर कमांडो साइबर धोखाखड़ी करने वालों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर सकेंगे। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने साइबर कमांडो के साथ-साथ साइबर फ्राड मिटिगेशन सेंटर (सीएफएमसी), साइबर क्राइम की जांच में जुटी एजेंसियों के लिए समन्वय प्लेटफार्म और संदिग्ध साइबर अपराधियों की राष्ट्रीय रजिस्ट्री बनाने की नई योजनाओं को लांच किया है। हिमाचल में यदि कोई व्यक्ति साइबर क्राइम का शिकार हो चुका है तो वह तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम पुलिस थाना मंडी के लैंडलाइन नंबर 01905-226900 या संबंधित ईमेल पर संपर्क करें और अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। भारतीय कानून के तहत, साइबर अपराधों से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम-2000 (आईटी अधिनियम) के तहत निपटा जाता है। आईटी अधिनियम के तहत साइबर अपराध करने के लिए दंड का भी प्रावधान है। जैसे हैकिंग के लिए आईटी अधिनियम की धारा 66 के तहत हैकिंग की सजा तीन साल तक की कैद या पांच लाख रुपए तक का जुर्माना या दोनों है। पहचान की चोरी आईटी अधिनियम की धारा 66 सी के तहत एक अपराध है। आईटी अधिनियम की धारा 67 के तहत अश्लील सामग्री का प्रकाशन या प्रसारण अपराध है। साइबर स्टाकिंग भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354-डी और आईटी अधिनियम की धारा 66-ई के तहत एक अपराध है। यद्यपि इंटरनेट के आगमन ने हमारे जीवन में नवीनतम सुविधाओं का संसार तो खोल दिया है, लेकिन ऑनलाइन धोखाधड़ी के द्वार भी खोल दिए हैं, जो आज की डिजिटल दुनिया में एक गंभीर चिंता का विषय है। ऑनलाइन धोखाधड़ी में आपराधिक गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल है जो वित्तीय लाभ के लिए व्यक्तियों या संगठनों का शोषण करती है। इन गतिविधियों में फिशिंग, पहचान की चोरी, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी और ऑनलाइन घोटाले शामिल हैं। ऐसे मामलों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने बीते दिनों नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल लॉन्च किया है। ठगी से बचने के लिए जरूरी है कि यदि किसी भी व्यक्ति को किसी अज्ञात व्यक्ति/नंबर से किसी सोशल मीडिया व्हाट्सएप, फेसबुक या टेलीग्राम के ग्रुप में जोड़ा जाता है तो उस स्थिति में तुरंत उस ग्रुप को छोड़ दें। ऑनलाइन मनी इन्वेस्ट करते समय ऐप या वेबसाइट के बारे में क्रॉस चेक जरूर करें। कर्ज देने वाले ऐप्स का इस्तेमाल न करें। इन्वेस्टमेंट और ट्रेडिंग ऐप्स का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहें।

कुछ अलग

धूमिल होती इबारतें...

बहुत दिन नहीं बीते जब सभी सरकारी उपक्रमों में बड़े-बड़े बोर्ड लगे रहते थे कि रिश्वत लेना और देना अपराध है। इसके बाद भीख मांगना भी एक अपराध है, भी बहुत दिन तक घोषित रहा तो शहरों और कस्बों के चौराहों पर भिखारी ब्रिगेडों ने एक नियोजित ढंग से भीख मांगने को एक धंधा अपना लिया। इसके साथ ही साथ एक और वर्ग उभरा बीच के लोगों और मध्यजनों का वर्ग। ये लोग आपको हर सुविधा केन्द्र की असुविधा खत्म करने के लिए जनता जनार्दन और नौकरशाही के बीच एक पुल का काम करते मिल जाएंगे। सुविधा केन्द्रों से लेकर बड़े-बड़े देशी-विदेशी व्यापार समझौते में इनका बोलबाला रहता है। जिसे कभी रिश्वत कहा जाता था, वह बालाई आमदन कहलाती रही, जिसमें से मरभुक्खों की मलाई की महक आने लगती थी। लेकिन वक्त की चाल के साथ अब रिश्वत लेना और देना एक अपराध है, की समझ इतनी बासी हो गई है कि यह एक जरूरी भुगतान बन गई है। व्यवसायी अपने बिलों में जीएसटी की हेराफेरी कर लें तो कर लें, रिश्वत की दर के इस अनिवार्य भुगतान से छुटकारा नहीं पा सकते। अब तो इसे जेब गर्म करने का सभ्य नाम भी दे दिया गया है। जो इसकी भुगतान दरों की पूरी जानकारी नहीं रखता, उसे किसी आदि या आदिभौतिक काल का मानव मान लिया जाता है। ऊपर की आमदन का यह रूप स्वीकार करते हुए आज न किसी के हाथ मैले होते हैं और न किसी की अंतरात्मा कचोटती है, बल्कि अगर कोई अपनी पंगु से पंगु कुर्सी से भी इस वसूली का वसीला न पैदा कर सके तो उसकी अंतरात्मा उसे कचोटने लगती है। इन बातों से आजकल कोई नहीं चौंकता कि अब शहरों और कस्बों के चौराहों पर बड़े नियोजित ढंग से भीख मांगी जाती है। जैसे आजकल बीमारियों का वैश्वीकरण हो गया है, इसी प्रकार इसी भीख और खैरात को भी वैधानिक अथवा अंतरराष्ट्रीय स्वरूप दे दिया गया लगता है। आजकल सरकारी मंचों से राष्ट्रीय नीतियों की घोषणा में भी वंचित और अभावग्रस्त लोगों के लिए नए काम धंधों की योजनाओं की घोषणा नहीं होती, बल्कि इस दावे के साथ कि उनके राज्य में किसी को भूखा नहीं मरने दिया जाए, मुफ्त अनाज बांटने के महीने बढ़ाने की घोषणा कर देते हैं। लेकिन इस घोषणा के बावजूद वंचित और अभावग्रस्त लोगों के मरते हुए चेहरों पर कोई मुस्कान नहीं लौटती, बल्कि वे लोग मुस्कराते ही नहीं, सामूहिक एहसास करते हैं, जिनकी यह खैरात बांटने पर ड्यूटी लगती है। तब पुराने मुहावरे सार्थक होने लगते हैं कि 'अन्धा बांटे रेवडियां, मुड़-मुड़ अपनों को दे।' और अपनों को देने के नाम पर भी आजकल राजनीतिक शतरंज होने लगी है। खैरात की ये रेवडियां नेतागण अपने-अपने चोर ठिकानों पर रखने लगे हैं। इन चोर ठिकानों पर प्रतिद्वंद्वी नेताओं के छापे पड़ रहे हैं कि देखो इस नेता ने अपनों को पटाने के लिए खैरात की रेवडियां यहां छिपा रखी हैं। वंचित तो इसकी भनक पाने के लिए तरस गए और नेताओं के समर्थक फर्जी लाचारों के ओसारे इस खैरात से भर गए। इस बात पर अगर बहुत धूल उड़े तो एक और रास्ता निकल आता है। इसे 'न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी' का रास्ता कहते हैं। बस यही घोषणा करते रहो कि तेल ही नौ मन नहीं हुआ, अब राधा कैसे नाच ले। जनाब, आज की इस राजनीति ने तो मध्यजनों के मुखौटे भी बदल दिए। अब इन्हें दलाल कहने की गुस्ताखी कोई नहीं करता। ये लोग राजनीति से लेकर सामाजिक उपलब्धियों का पुल बन गए हैं, मध्यजन कहलाते हैं। इनके बिना तो आज के सार्वजनिक जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह काम को उसकी मंजिल तक पहुंचाने का शुल्क लेते हैं, जो इन मध्यजनों को उनकी मेहनत के लिए अदा किया जाता है।

देश दुनीया से

नीयत, नियति और हम

हमारे बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे समाज में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ती है, रुतबा बढ़ता है, संपर्क बढ़ते हैं और हम प्रशंसा के पात्र बनते हैं। इसके बावजूद सच यही है कि हम जानते हैं कि जिस काम के कारण हमें इतनी प्रशंसा मिल रही है, वह असल में गलत है। इसी तरह बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे हमें निंदा का, अपमान का, आलोचना का, बदनामी का भाजन बनना पड़ता है। बहुत बार जब हमारे आसपास के लोग या वृहत्तर समाज हमें गलत मानता है, हमारे कामों या विचारों से सहमत नहीं होता, तब भी हम हमेशा गलत ही हों, यह आवश्यक नहीं है।

हम किसी न किसी काम में लगे ही रहते हैं। काम करना सिर्फ दिखाई देने वाली क्रिया ही नहीं है। सांस लेना भी काम है, चुपचाप बैठना भी काम है, गपशप भी काम है, सोचना भी काम है। हमारे बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे समाज में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ती है, रुतबा बढ़ता है, संपर्क बढ़ते हैं और हम प्रशंसा के पात्र बनते हैं। इसके बावजूद सच यही है कि हम जानते हैं कि जिस काम के कारण हमें इतनी प्रशंसा मिल रही है, वह असल में गलत है। इसी तरह बहुत से काम ऐसे होते हैं जिनसे हमें निंदा का, अपमान का, आलोचना का, बदनामी का भाजन बनना पड़ता है। बहुत बार जब हमारे आसपास के लोग या वृहत्तर समाज हमें गलत मानता है, हमारे कामों या विचारों से सहमत नहीं होता, तब भी हम हमेशा गलत ही हों, यह आवश्यक नहीं है। किसी काम के साथ परिप्रेक्ष्य का, संदर्भ का और उससे भी बड़ी बात नीयत का समझा जाना भी जरूरी है, तभी असल में हम सही नतीजे पर पहुंच सकते हैं। हमारा कोई ऐसा काम जिसे समाज पुण्य मानता है, यहां तक कि हम खुद भी उसे पुण्य मानकर करते हों, और इच्छा हो कि इस काम के कारण प्रशंसा मिले, पद मिले, पदोन्नति हो, तो वह नीयत सांसारिक है, आध्यात्मिक नहीं। दान देना, पूजा-पाठ करना, मंदिर या किसी अन्य पूजा स्थल पर जाना, किसी की सहायता करना, किसी की प्रशंसा करना, किसी का हौसला बढ़ाना, किसी को कुछ हुनर सिखाना, किसी को ज्ञान देना, किसी का मार्गदर्शन करना आदि अच्छे काम हैं। ऐसे सभी काम, पुण्य के काम माने जाते हैं, लेकिन यदि ऐसे किसी काम को करते हुए हमारी इच्छा यह हो कि लोग देखेंगे तो प्रशंसा करेंगे, तो वह काम अच्छा होते हुए भी पुण्य कर्म में नहीं गिना जाएगा, क्योंकि उस काम के पीछे दरअसल हमारा स्वार्थ छिपा है। इसके विपरीत, यदि हमने किसी को डांटा, पर इस नीयत से डांटा कि वह व्यक्ति खुद में सुधार ला सके, जीवन में आगे बढ़ सके, ज्यादा सफल हो सके, सेहतमंद हो सके, लोकप्रिय हो सके, तो डांट भी पुण्य कार्य है। कोई कातिल अपने शिकार का पीछा कर रहा हो ताकि मौका लगने पर उसे कत्ल कर सके, और हमें यह पता हो, तो भी अगर हम कातिल को बता दें कि उसका शिकार होने वाला व्यक्ति किस तरफ गया है, या कहां मिलेगा, तो हम उस हिंसा में शामिल हो गए, फिर वह हमारा पाप कर्म बन गया। हमने कत्ल नहीं किया, लेकिन हमने कातिल का काम आसान कर दिया, तो हम उस पाप कर्म में शामिल हो गए। लेकिन अगर हमें मालूम न हो कि कातिल की नीयत क्या है, और कातिल की नीयत से अनजान होने के कारण अगर हमने कातिल को उसके शिकार का पता बता दिया तो हमसे गलती हुई, पर हम उस पाप कर्म में शामिल नहीं हैं। अगर हमें कातिल की नीयत का पता हो और हमें यह भी पता हो कि उसका शिकार कहां है, लेकिन कातिल के पूछने पर हम उसे ऐसा पता बता दें जहां उसका शिकार नहीं है, या यह कह दें कि हमें पता ही नहीं है, तो हमने झूठ बोला, लेकिन इस झूठ के पीछे नीयत यह है कि किसी की जान बच जाए, कत्ल होने से बच जाए, तो झूठ बोलने के बावजूद परमात्मा की नजर में वह काम गलत नहीं है, उसे हमारे पाप-कर्मों में नहीं जोड़ा जाएगा। जब हम अध्यात्म की ओर कदम बढ़ाते हैं तो धीरे-धीरे हमें ये सच समझ में आने लगता है कि अच्छा या बुरा काम, पुण्य या पाप के रूप में नहीं बांटा जा सकता, यानी, वो अच्छे काम भी पुण्य नहीं माने जा सकते जिनके करने में हमारा अपना कोई स्वार्थ हो, आकांक्षा हो, इच्छा हो, वासना हो, या हम उसे पुण्य अथवा मोक्ष पाने की लालसा में कर रहे हों। इसी तरह बचपन के अज्ञान में की गईं हमारी गलतियां, अनजाने में हुई गलतियां, किसी का भला करने के लिए डांटना, काम में अड़चनें डालना, या किसी का नुकसान होने से बचाने के लिए कोई झूठ बोलना आदि हमारे पाप-कर्म में शामिल नहीं होते। यह समझना आवश्यक है कि हम अपने हर काम के साथ जुड़ी नीयत को समझें, उसका विश्लेषण करें और यह देखें कि कर्म करते हुए हम उससे आसक्त हैं या हमें उसके फल की चिंता नहीं है। सिर्फ यही एक तरीका है जिससे हम सचमुच परमात्मा की शरण में जाकर अपनी नियति बदल सकते हैं। अपने हर जन्म में हम अपने पिछले कई जन्मों के संस्कार और संचित कर्मों का भंडार लेकर आते हैं। हमारे संचित कर्म इस जन्म में हमारा भाग्य बन जाते हैं और इस जीवन के हमारे कर्म और पिछले जन्मों के संचित कर्म मिलकर हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं। इसीलिए कई बार हम समझ नहीं पाते कि हमारे साथ जो हो रहा है, वह क्यों हो रहा है। श्रीमद्भगवद् गीता में मुरलीधर भगवान श्री कृष्ण ने निष्काम कर्म की व्याख्या की तो यही कहा कि कर्म पर हमारा अधिकार है, पर उसके फल पर नहीं, तो इसका मतलब यही है कि हम इस बात के लिए स्वतंत्र हैं कि हम क्या करें, पर एक बार जब हमने कोई काम कर डाला तो फिर उसका फल क्या हो, कब हो, इस पर हमारा अधिकार इसलिए नहीं है क्योंकि उस एक कर्म के साथ हमारे पिछले जन्मों के संचित कर्म और उनके फलितार्थ भी जुड़े हुए हैं।

आप का नजरीया

पुस्तकालय की छांव में

पुस्तकालयों की छांव में अध्ययन की परिपाटी और भविष्य के पालन-पोषण में संस्थान का महत्त्व बदल रहा है। पुस्तकालय अब अध्ययन की गंध को सहेजे किताब नहीं, बल्कि माहौल की साधना में भविष्य के पठन पाठन की ऐसी प्रकिया है, जिसे युवा स्वयं चुन रहे हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई पुस्तकालयों की रैंकिंग से नवचेतना के आकाश पर इसकी संरचना सशक्त हो सकती है। अब पुस्तकालयों का ग्रेड उन्हें खास महत्त्व व पहचान दिलाएगा। दरअसल कुछ सार्वजनिक पुस्तकालयों के अध्ययन कक्ष पिछले सालों में शिक्षा के गंभीर अध्यायों के सहयोगी बन गए हैं। पढने की कला और विषयों का अध्ययन इस दौरान पुस्तकालयों को जीवंत कर गया। लाइब्रेरी अब सीधे युवाओं से संबोधित होने लगी है और जहां भविष्य के प्रति युवाओं की आंतरिक ऊर्जा, संकल्प और अध्यवसाय पारंगत होकर बाहर आने लगा है। कभी पुस्तकालय आंदोलन से साहित्य की पताका निकलती थी और अतिरिक्त पठन-पाठन की श्रृंखला में युग अपने आईनों को पुस्तकों में निहारता था, लेकिन अब भविष्य के सारे महायज्ञ लाइब्रेरी में होने लगे हैं। यह दौर कुछ और आगे बढक़र डिजीटल युग के समाधानों में पुस्तकालय की जरूरत को युवा महत्त्वाकांक्षा के साथ बांध रहा है। यही कारण है कि धर्मशाला जैसे शहर में करीब दो दर्जन निजी पुस्तकालयों में सुविधाएं और माहौल मुंहमांगे दाम में बिक रहे हैं। पुस्तकालय अब परिसर और चौबीस घंटे के अवसर में व्यक्तित्व विकास के हर आयाम में साक्षी बन रहे हैं। धर्मशाला का जिला पुस्तकालय पिछले एक दशक से युवा हाजिरी का ऐसा पैमाना हासिल कर चुका है, जहां सुबह किताबों की आंखें खुलती हैं, तो शिक्षण संस्थानों की औपचारिकता से हटकर युवा अपने भविष्य की घंटियां सुनते हैं। ऐसे अन्य सार्वजनिक पुस्तकालय भी हैं जहां महत्त्व के अलग-अलग पैमाने होंगे। खुशी की बात यह कि शिक्षा निदेशक युवा पगडंडियों से गुजर कर पुस्तकालयों के रास्तों को चौड़ा करना चाहते हैं। भविष्य में जो कार्य औपचारिक शिक्षा नहीं कर सकती, उसका नया धुरव व शिखर पुस्तकालय में तराशा जा सकता है, बशर्ते ये अध्ययन संस्थान की परिपाटी में विकसित किए जाएं। बेशक पुस्तकालयों की रैंकिंग से विभाग अपनी दिशा व प्राथमिकता तय कर सकता है, लेकिन आदर्श पुस्तकालयों का निर्माण व प्रबंधन अब नई विधा है। अब किताब झांकती नहीं और न ही पुस्तक से तालमेल बिठाने के लिए जिज्ञासा खींच लाती है। अब ये पुस्तकालय डिजीटल अध्ययन के केंद्र, माहौल और सुविधाओं की श्रेष्ठता के नए अवतार तथा आगे चलकर काउंसलिंग के अध्याय भी साबित होंगे। अतः भविष्य के पुस्तकालय का परिसर किसी कालेज से कम नहीं होगा। कुल्लू का पुस्तकालय इस दिशा में कुछ हद तक अधोसंरचना का एक उदाहरण माना जा सकता है, लेकिन सेंट्रल लाइब्रेरी सोलन या जिला पुस्तकालय धर्मशाला को नए परिसर चाहिएं।

राहुल गांधी बताएं, देश विरोधी लोगों से उनका क्या रिश्ता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हरियाणा में तूफानी दौरा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी दुनिया में देश को शर्मसार करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। और तो और वे उन लोगों के साथ खड़े होते हैं, जो देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। राहुल गांधी यह बताएं कि उनका देश विरोधियों से क्या रिश्ता ? कांग्रेस का असली चरित्र यही है। इनका राष्ट्रहित से कोई सरोकार नहीं है। शर्मा हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत गुरुवार को समालखा विधानसभा प्रत्याशी मनमोहन भड़ाना के समर्थन में समालखा में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जमीन वह तपोभूमि है, जिसने सनातन धर्म और संस्कृति को लगातार मजबूत करने का काम किया है। पड़ोसी राज्य होने के कारण राजस्थान और हरियाणा में बहुत गहरा रिश्ता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार 100 करोड़ रुपए की लागत से खाटू श्याम में कॉरिडोर विकसित करेगी, जिससे दर्शनार्थियों के लिए सुविधाएं विकसित होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे हाल ही में जापान और दक्षिणी कोरिया के दौरे पर गए थे। तब उन्होंने लोगों में पीएम मोदी के प्रति अथाह प्रेम तथा सम्मान का भाव देखा। पीएम मोदी विश्व के सबसे पावरफुल नेता हैं। मोदी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के तौर पर

देखना चाहते हैं और हम सभी के सहयोग से इस सपने को साकार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि से किसानों को आर्थिक संबल तथा वन रैंक-वन पेंशन देकर सैनिकों को सम्मान दिया है। उनके अभूतपूर्व नेतृत्व में देश में गरीब कल्याण, विकास योजनाएं, सीमा सुरक्षा तथा विश्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा में पिछले 10 वर्षों में पारदर्शी तरीके से परीक्षाएं आयोजित हो रही हैं। सैनी किसानों व मजदूरों के दर्द को समझते हैं। हरियाणा में जब एमएसपी पर बाजरा खरीदा जा रहा था, तब राजस्थान के किसान राज्य में भी एमएसपी खरीद के लिए आंदोलन कर रहे थे। यही कारण रहा कि राजस्थान में किसानों को बाजरे का 1200 रुपए मिले और हरियाणा में 2200 रुपये। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों का उत्साह यह बता रहा है कि जनता ने हरियाणा में भाजपा को जिताकर हैट्रिक लगाने का फैसला कर लिया है। शर्मा ने कहा कि देश में कांग्रेस से बड़ी झूठी, भ्रष्ट और बेईमान कोई पार्टी नहीं है। कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। कांग्रेस की शुरू से ही यह आदत रही है, कि चुनाव जीतने के लिए वे लोगों से तरह-तरह के झूठे वादे करते हैं तथा देश में अराजकता का माहौल पैदा करते हैं। लेकिन उनका किसान, मजदूर, महिला, युवा किसी के भी हितों से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन काल में हुए 1984 के दंगों में सिक्खों के साथ क्या हुआ, ये पूरा देश जानता है। देश ने कांग्रेस द्वारा लगाई गई आपातकाल की स्थितियां भी झेली है। जनता अब इनके मंसूबों को समझ चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार संकल्प पत्र में किए गए 50 प्रतिशत वादे नौ माह में पूरे कर चुकी है। गत सरकार के समय हुए पेपरलीक मामलों से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ था। हम युवाओं के इस दर्द को समझते हैं। इन मामलों में लिप्त किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा तथा इन प्रकरणों में अब मछलियों के साथ बड़े मगरमच्छ भी पकड़े जा रहे हैं। शर्मा ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोग बड़े उत्साह तथा उमंग के साथ अपना समर्थन देने आए हैं, जो यह दर्शाता है कि क्षेत्र में अधिक से अधिक सीटें भारतीय जनता पार्टी जीतेगी। शर्मा ने इस दौरान भाजपा प्रत्याशी को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस अवसर पर भाजपा के स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने किया श्रीगंगानगर सैन्य स्टेशन का दौरा

जयपुर (हिंस)। दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने श्रीगंगानगर सैन्य स्टेशन का दौरा किया और अमोघ डिवीजन की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें विभिन्न ऑपरेशनल और टेक्नोलॉजी अवशोषण के बारे में जानकारी दी गई। आर्मी कमांडर ने डिवीजन के फॉरवर्ड एरिया का भी दौरा किया तथा मौजूदा स्थिति और ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बीएसएफ, श्रीगंगानगर के सेक्टर मुख्यालय के डीआईजी से मुलाकात की। आर्मी कमांडर ने अंतरसंचालनीयता, तालमेल और विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के अवशोषण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी रैंकों को सतर्क रहने, युद्ध के लिए तैयार रहने, शारीरिक रूप से फिट रहने और तेजी से विकसित हो रहे खतरे के परिदृश्य पर हावी होने के लिए नवीन तकनीकों, रणनीति और प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने फॉर्मेशन के सभी रैंकों को उनके समर्पण, व्यावसायिकता और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए बधाई दी। जोधपुर (हिंस)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय संस्कृति में नारी चेतना एवं संविधान पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता अंबेडकर अध्ययन केंद्र के निदेशक डॉ. दिनेश गहलोत थे। डॉ. गहलोत ने भारतीय संस्कृति में नारी चेतना का उल्लेख करते हुए नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा को रेखांकित किया। उनके अनुसार महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में भारतीय संविधान एक उत्तम दस्तावेज है। उन्होंने संविधान निर्माण में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें संविधान निर्मात्री की संज्ञा दी। कार्यक्रम की शुरुआत में केंद्र की निदेशक डॉ. विजयश्री ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने केंद्र द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों और डिप्लोमा तथा प्रमाण पत्र कोर्स की उपयोगिता को रेखांकित किया। उनके अनुसार यह कोर्सेज बच्चों के कैरियर हेतु भी उपयोगी है। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो रामसिंह आढ़ा, डॉ. नागेन्द्र सिंह भाटी और डॉ. सरोज सिरवी भी उपस्थित थे।

लोकतंत्र में वोट से बढ़कर और कोई अधिकार नहीं गीत का हुआ विमोचन

रेवाड़ी (हिंस)। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा के दिशा निर्देशों पर चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान की कड़ी में गुरुवार को स्थानीय केएलपी महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वीप गतिविधियों की नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने प्रवक्ता सुधीर द्वारा मतदाता जागरूकता पर लिखित गीत *लोकतंत्र में वोट से बढ़कर और कोई अधिकार नहीं* का विमोचन किया। इसके पश्चात करनावास स्कूल के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक तथा पीएम श्री गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल रेवाड़ी की छात्राओं ने नृत्य के माध्यम से मतदान के महत्व का संदेश दिया। अपने संबोधन में अतिरिक्त उपायुक्त ने रेवाड़ी जिला के सभी मतदाताओं से आह्वान किया कि वे आगामी 5 अक्तूबर को बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लें। चुनाव लोकतंत्र का त्यौहार है, हमें अन्य त्योहारों की तरह ही इस त्यौहार में भी बढ़ चढ़ कर अपनी सहभागिता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग तथा शिक्षण संस्थाओं द्वारा वोटिंग परसेंटेज बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विशेषकर ऐसे गांव तथा शहरी क्षेत्र को चिन्हित किया गया है, जहां गत चुनाव के दौरान वोटिंग परसेंटेज काफी कम रही थी। ऐसे स्थानो पर स्वीप (सिस्टेमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम किए जा रहे हैं। मतदाता को मतदान की शपथ दिलाते हुए उन्हें प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वीप गतिविधियों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है।

अलवर यूआईटी के श्मशान घाट तोड़ने की कार्रवाई से लोगों में आक्रोश, वन मंत्री के घर के बाहर किया प्रदर्शन

अलवर (हिंस)। शहर के बुध विहार स्थित वार्ड नंबर 1 में बुधवार को यूआईटी द्वारा डेढ़ सौ वर्ष पुराने श्मशान घाट को अतिक्रमण बताकर तोड़ दिया गया। कार्रवाई से स्थानीय लोगों में जबरदस्त आक्रोश हैं। गुरुवार सुबह लोग श्मशान घाट पर एकत्र हुए और यूआई टी की कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। इसके बाद रैली के रूप में वाहनों में सवार होकर सभी लोग प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए मिनी सचिवालय पहुंचे। यहां आक्रोशित लोगों ने गेट पर बैठकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके बाद उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया।

पार्षद दुर्गा प्रसाद ने बताया हमने इस श्मशान घाट का टिन सेट लगवाने के लिए डेढ़ साल पहले प्रदर्शन किया। इसके बाद टिन शेड लगा था। कल यूआईटी के अधिकारियों द्वारा बिना किसी सूचना के श्मशान घाट की भूमि पर कार्रवाई गई। जिससे लोगों में आक्रोश हैं। स्थानीय व्यक्ति मोहन सिंह सिसोदिया का कहना है यूआईटी ने जो कल कार्य किया है वह बहुत गलत है। हमारा श्मशान घाट तोड़ के उन्होंने अच्छा नहीं किया। उनका कहना है अगर यूआईटी दोबारा शमशान घाट बनवाती है तो सही रहेगा। अन्यथा आने वाले समय में बस्ती के सभी लोग यहां आकर प्रदर्शन करेंगे और उसका जिम्मेदार जिला प्रशासन होगा।

भाजपा के बड़े नेताओं पर जमकर बरसे भूपेश बघेल

चंडीगढ़ (हिंस)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गुरुवार को भाजपा के कई बड़े नेताओं पर जमकर बरसे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में चुनावों के दौरान उनकी सोच काफी गिर जाती है। वे जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते हैं, वह उनके पद की गरिमा से मेल नहीं खाती। वे प्रधानमंत्री कम बल्कि प्रचार मंत्री ज्यादा हैं। भूपेश बघेल गुरुवार को चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि चुनावों के दौरान नरेंद्र मोदी निहायत ही बाजारू भाषा का प्रयोग करते हैं। कभी वह मुसलमानों को निशाना बनाते हैं तो कभी सफेद झूठ बोल कर लोगों को बरगलाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का राज्य चुनावों में अत्यधिक प्रचार करना शोभा नहीं देता है, लेकिन मोदी प्रधानमंत्री कम बल्कि प्रचार मंत्री ज्यादा हैं। भूपेश बघेल ने कहा कि आज सारे देश की नजरें हरियाणा के ऊपर लगी हुई हैं। क्योंकि हरियाणा के चुनावों ने सदा देश के चुनाव को एक नई दिशा दी है। भाजपा के शासन काल को लेकर उन्होंने कहा कि साढ़े नौ साल के बाद चुनावों से ठीक पहले मनोहर लाल खट्टर को कुर्सी से हटाना साबित करता है कि भाजपा को यहां अपनी हार स्पष्ट नजर आ रही है। मौजूदा मुख्यमंत्री सैनी के विषय में उन्होंने कहा कि शायद देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि कोई राज्य सरकार 6 महीने के अंदर एक सत्र भी नहीं बुला सकी। उन्होंने कहा कि नायब सिंह सैनी एक बार भी विधानसभा का सामना नहीं कर पाए। भूपेश बघेल ने कहा की इस बार के चुनाव में भाजपा को किसानों, जवानों, और पहलवानों के कारण पूरे प्रदेश के लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है।

दुकानों पर लोगों के नाम जबरदस्ती लिखवाने से मिलावट का धंधा खत्म हो जाएगा : मायावती

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बहुजन समाज पार्टी(बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सरकार से पूछा है कि दुकानों पर लोगों के नाम जबरदस्ती लिखवाने से क्या मिलावट का धंधा खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक स्टंट है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया *एक्स* पर लिखा है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा होटल, रेस्तरां, ढाबों आदि में मालिक, मैनेजर का नाम, पता के साथ ही कैमरा लगाना अनिवार्य करने की घोषणा, कावंड़ यात्रा के दौरान की ऐसी कार्रवाई की तरह ही, फिर से काफी चर्चाओं में कि यह सब खाद्य सुरक्षा हेतु कम व जनता का ध्यान बांटने की चुनावी राजनीति ज्यादा है। उन्होंने कहा कि वैसे तो खासकर खाद्य पदार्थों में मिलावट आदि को लेकर पहले से ही काफी सख्त कानून मौजूद हैं। फिर भी सरकारी लापरवाही मिलीभगत से मिलावट का बाजार हर तरफ गर्म है, किंतु अब दुकानों पर लोगों के नाम जबरदस्ती लिखवा देने आदि से क्या मिलावट का कालाधंधा खत्म हो जाएगा। मायावती ने कहा कि वैसे भी तिरुपति मन्दिर में *प्रसादम* के लड्डू में चर्बी की मिलावट की खबरों ने देश भर में लोगों को काफी दुखी व उद्वलित कर रखा है और जिसको लेकर भी राजनीति जारी है। धर्म की आड़ में राजनीति के बाद अब लोगों की आस्था से ऐसे घृणित खिलवाड़ का असली दोषी कौन, यह चिंतन जरूरी है।

भारत की गौरवशाली परंपरा में एक ग्रहण है नशा : डॉ. चिन्मय पंड्या

जयपुर (हिंस)। अखिल विश्व गायत्री परिवार के अंतराष्ट्रीय कार्यालय शांतिकुंज हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर और युवा मनीषी डॉ. चिन्मय पंड्या ने कहा कि भारत सदा सौभाग्य की भूमि रहा है। अवतारों का देश है। यह भी सत्य है कि भारत जागेगा तभी विश्व जागेगा। गौरव की भूमि है। महान ऋषियों, महान गुरूओं का देश है। भारत ने सदा विश्व को दशा दिखाने का कार्य किया। डॉ. चिन्मय पंड्या गुरुवार को किरण पथ मानसरोवर स्थित वेदना निवारण केंद्र के नशा मुक्ति केंद्र के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की अपनी गौरवशाली परंपरा है। इस महान परम्परा कोई ग्रहण है तो नशा है। देश में करीब सोलह करोड़ लोग कोई न कोई नशा करते है। नशे से केवल एक व्यक्ति नहीं पूरा परिवार और समाज प्रभावित होता है। नशा पूरे समाज को अंदर से खोखला कर देता है। नशे के कारण देश एक आदर्श नागरिक खो देता है। यह प्रसन्नता की बात है कि गायत्री परिवार ने मानसरोवर के वेदना निवारण केंद्र में नशा मुक्ति केंद्र की शुरुआत की है। भगवान करे कोई नशा नहीं करें, अगर कोई करता भी है तो इस केंद्र के माध्यम से नशा छुड़ाने का कार्य हो, ऐसी भगवान से कामना है। एक दिवसीय जयपुर प्रवास पर आए पंड्या ने वेदना निवारण केंद्र में नशामुक्ति

केंद्र की पट्टिका का अनावरण कर उद्घाटन किया। डॉ. पंड्या ने यज्ञ शाला में मां गायत्री और गुरू सत्ता का पूजन किया। उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र के उद्घाटन से पूर्व यहां संचालित निशुल्क विद्यालय का अवलोकन किया। डॉ. चिन्मय पंड्या वेदना निवारण केंद्र में संचालित विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों से भी मिले। पाकिस्तान से भारत आए हिंदू परिवारों के बच्चों ने सामूहिक गायत्री मंत्रोच्चार कर स्वागत किया। बच्चों ने उनके स्वागत में जगह-जगह रंगोली बनाई और पूरे विद्यालय को सजाया। गायत्री परिवार राजस्थान प्रांत के केंद्रीय समन्वयक गौरीशंकर सैनी, गायत्री परिवार राजस्थान के समन्वयक ओम प्रकाश अग्रवाल, जयपुर उप जोन समन्वयक सुशील कुमार शर्मा, सतीश भाटी, डॉ. प्रशांत भारद्वाज, संतोष शर्मा, केदार शर्मा, गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ के मुख्य ट्रस्टी धर्मसिंह राजावत सहित अन्य वरिष्ठ परिजनों ने राजस्थानी साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर पंड्या का स्वागत किया। डॉ. पंड्या ने ब्रह्मपुरी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में माता भगवती देवी स्मृति नवग्रह और नक्षत्र वाटिका का लोकार्पण किया। इस मौके पर पंड्या ने कहा कि हर घर में औषधीय पौधों होने चाहिए। इसके सेवन से व्यक्ति बीमार नहीं पड़ता। शक्तिपीठ के व्यवस्थापक सोहन लाल शर्मा, सह व्यवस्थापक मणिशंकर चौधरी, गायत्री शक्तिपीठ वाटिका के व्यवस्थापक रणवीर सिंह चौधरी एवं अन्य ने डॉ. पंड्या का स्वागत किया। डॉ. पंड्या ने गायत्री मंत्र और समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित किए। उल्लेखनीय है कि बारिश का दौर थमते ही जिस प्रकार सरकार ने निर्माण कार्य शुरू कर दिए हैं उसी प्रकार गायत्री परिवार ने भी मानसून की अघोषित विदाई के साथ समाज के नव निर्माण के कार्यों को भी एक बार फिर गति दे दी है। प्रदेश भर में पांच से 108 कुंडीय यज्ञों की श्रृंखला एक बार फिर शुरू कर दी गई है। बरसात के मौसम में जो निर्माण कार्य किया गया उसका लोकार्पण इसी माह के शेष दिनों में होगा। नए शक्तिपीठों के भूमि पूजन और बने हुए शक्तिपीठों में गायत्री माता की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन भी तय हो चुके हैं। इसके लिए शांतिकुंज हरिद्वार से टोलियां निकल चुकी है। बड़े आयोजन करवाने के लिए देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर और देश के युवा मनीषी डॉ. चिन्मय पंड्या एक अक्तूबर तक राजस्थान प्रवास पर रहेंगे। गायत्री परिवार राजस्थान प्रांत के केंद्रीय जोन समन्वयक गौरीशंकर सैनी ने बताया कि डॉ. पंड्या 27 सितंबर को चूरू के रतनगढ़ में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग की गोष्ठी में शामिल होंगे।

अखिलेश यादव पर जावेद अख्तर को बड़ा भरोसा है : राजेन्द्र चौधरी

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी की भेंट आज संयोग से लखनऊ एयरपोर्ट के वीआईपी लाउंज में पहुंचे तो वहां पहले से बैठे फिल्म जगत के सुप्रसिद्ध लेखक शायर जावेद अख्तर से हो गई। दोनों परस्पर परिचय होते ही दोनों के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का संबंध आया तो जावेद अख्तर की दिलचस्पी उनको लेकर भी बढ़ गई। दोनों के बीच हुई बातचीत को लेकर सपा राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने जानकारी दी। उन्होंने पत्र के जरिए बताया कि इस मुलाकात के दौरान बात की शुरुआत में ही जावेद साहब ने बताया कि वे इन दिनों कबीर और रहीम के दोहों की आज के संदर्भ में प्रासंगिकता पर विशेष काम कर रहे हैं। इसी सिलसिले में वे लखनऊ आए थे। अख्तर साहब ने दो तीन दोहे भी सुनाए और उनकी व्याख्या भी की। उनका कहना था कि कबीर की वाणी में सरल आध्यात्मिक ज्ञान है जो मानव को सोचने और समझने पर विवश करता है जबकि रहीम आपसी सद्भावना के प्रेरक है। इन दोनों की विचारधारा सामाजिक सद्भाव और प्रेम से जीवन जीने की प्रेरणा देती है। आज के समय मानवीय मूल्यों पर हमला है तब और भी कबीर की प्रासंगिकता बढ़ गई है। कबीर की वाणी खरी-खरी है रहीम के दोहों में भी गहरी समझ है। फिर

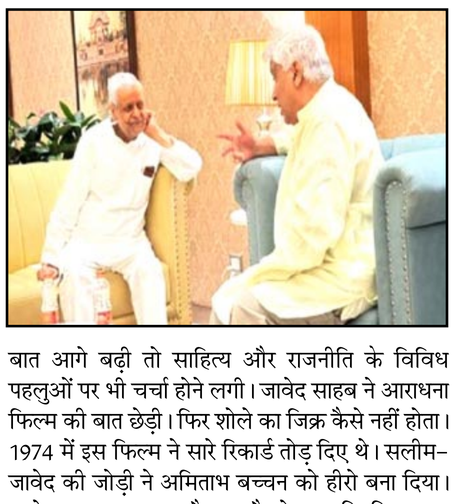

बात आगे बढ़ी तो साहित्य और राजनीति के विविध पहलुओं पर भी चर्चा होने लगी। जावेद साहब ने आराधना फिल्म की बात छेड़ी। फिर शोले का जिक्र कैसे नहीं होता। 1974 में इस फिल्म ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए थे। सलीम-जावेद की जोड़ी ने अमिताभ बच्चन को हीरो बना दिया। जावेद साहब का एक और रूप है सोशल एक्टिविस्ट का। समय-समय पर वे आज के मुद्दों पर अपने विचार रखते हैं। जिन पर कई बार विवाद भी हो जाता है। जावेद अख्तर का मानना है कि देश में विघटनकारी राजनीति के दिन अब गिने चुने रह गए हैं। भाजपा शीर्ष स्थान से नीचे की ओर ढलान पर है। देश के अंदर ही अंदर आक्रोश है और आने वाला समय महत्वपूर्ण होगा।

राज्य में स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर राजनीति तेज, ऊर्जा मंत्री विजेंद्र ने विपक्ष के आरोप को बताया बेतुका

पटना (हिंस)। बिहार में स्मार्ट मीटर को लेकर लोग परेशान हैं। स्मार्ट मीटर में गड़बड़ी को लेकर लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। स्मार्ट मीटर से लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए राजद ने इस मुद्दे को हाथों-हाथ लपक लिया। राजद ने आगामी एक अक्तूबर से आंदोलन करने की चेतावनी सरकार को दे डाली है। राजद के आंदोलन करने की चेतावनी को लेकर बिहार सरकार के तरफ से ऊर्जा विभाग के मंत्री विजेन्द्र यादव ने मोर्चा संभालते हुए राजद को जवाब दिया है। ऊर्जा मंत्री विजेन्द्र यादव ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में राजद के आरोप को बेतुका बताया। उन्होंने कहा कि आज जो लोग सवाल उठा रहे हैं उनके समय बिजली का उत्पादन कितना होता था यह किसी से छिपी हुई नहीं है? ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव ने कहा कि पहले 60 प्रतिशत से अधिक उत्पादन नहीं होता था। बिहार में 2005 में केवल 17 लाख उपभोक्ता थे। बिहार में अब दो करोड़ 7 लाख से अधिक कस्टमर हो गए हैं। मंत्री विजेंद्र यादव ने कहा कि 2005 में विद्युत का

अधिकतम मांग 700 मेगावाट था, जो बढ़कर 8000 मेगावाट से अधिक हो गई है। प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत 2005 में 70 यूनिट थी। अब यह बढ़कर 360 यूनिट हो गई है। उन्होंने कहा कि राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह का बिजली बिल कम हुआ है। 17 फीसदी बिजली बिल जगदानंद सिंह का कम हुआ है। राजनीतिक द्वेष को लेकर विपक्ष इस तरह की बातें कर रहे हैं। विजेंद्र यादव ने कहा कि बिजली स्मार्ट मीटर में यदि कोई गड़बड़ी है तो उसकी जांच होगी। स्मार्ट मीटर लगना बंद नहीं होगा। 2025 तक हर घर में स्मार्ट मीटर लग जाएगा। बिहार में लोगों को फ्री बिजली नहीं मिलेगी। स्मार्ट मीटर को लेकर बिहार में गरमाई राजनीति के बीच कांग्रेस भी मैदान में कूद पड़ी है। स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस ने अभियान को तेज करने का फैसला लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने आज कहा कि जब तक स्मार्ट मीटर लगाना बंद नहीं होगा तब तक चरणबद्ध तरीके से आंदोलन होगा। 30 सितम्बर से अगले चरण के आंदोलन की शुरुआत होगी। 30 सितम्बर को सभी जिलों में स्मार्ट मीटर पर संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। दो अक्तूबर से फिर से जन जागरण अभियान चलाया जाएगा। नालंदा जिले से इसकी शुरुआत होगी। 2022 की स्टडी के अनुसार 65 से 70 प्रतिशत आबादी के पास बिहार में स्मार्टफोन की सुविधा नहीं है। ऐसे में स्मार्ट मीटर लगाने का कोई मतलब नहीं है। बिहार जैसे गरीब और पिछले राज्य में स्मार्ट मीटर लगाने की जरूरत नहीं है।

आगे रहने का सेल का प्रयास रहेगा जारी 'नंबर वन' बनने की आकांक्षा : अध्यक्ष

वर्ष 24 में क्रमशः 20.5 एमटी, 19.24 एमटी और 18.44 एमटी हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील का उत्पादन करके नए रिकार्ड बनाए

नई दिल्ली।
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने गुरुवार को कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 1,04,545 करोड़ रुपये के सर्वश्रेष्ठ बिक्री का कारोबार हासिल किया है। उन्होंने कहा कि सेल आगे रहने का अपना प्रयास जारी रखेगा।

सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने गुरुवार को नई दिल्ली के लोदी रोड स्थित कंपनी के मुख्यालय में आयोजित 52वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जरिए संबोधित हुए यह बात कही। उन्होंने कंपनी के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले वित्त वर्ष के प्रदर्शन पर विचार करने और भविष्य की ओर देखते हुए यह विश्वास मजबूत होता है कि एक संगठन के रूप में हम अपने उद्योग में 'नंबर वन' यानी सर्वश्रेष्ठ बनने की आकांक्षा रख सकते हैं।

शेयरधारकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के विजन के साथ देश के सामाजिक, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे को बदलने के लिए भारत सरकार के निरंतर प्रयास ने देश में सभी क्षेत्रों में स्टील की मांग को बढ़ावा दिया है। सेल के अध्यक्ष ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सेल के प्रदर्शन का सारांश प्रस्तुत किया और कहा कि सेल ने वित्त वर्ष 24 के दौरान क्रमशः 20.5 मिलियन टन (एमटी), 19.24 एमटी और 18.44 एमटी हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील का उत्पादन करके नए मानक स्थापित किए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में क्रमशः 5.6 फसदी, 5.2 फीसदी और 6.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज करता है। उन्होंने उल्लेख किया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 24 के दौरान 1,04,545 करोड़ रुपये का सर्वश्रेष्ठ बिक्री कारोबार हासिल किया।

न्यूज ब्रीफ

सर्राफा बाजार की तेजी से नए शिखर पर पहुंचा सोना, चांदी भी 95 हजार के पार

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने और चांदी के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। सोने के भाव में आई तेजी के कारण गुरुवार को देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77 हजार रुपये के स्तर को पार करके 77,180 रुपये से लेकर 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना गुरुवार को 70,760 रुपये से लेकर 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 95,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कई राज्यों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में गिरावट से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव आया है। क्रूड की कीमतें गुरुवार सुबह 70 डॉलर प्रति बैरल नीचे आ गयीं। वहीं ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कामकाज करता दिखा। देश के चारों महानगरों में से केवल चेन्नई में पेट्रोल की कीमतें नीचे आयी हैं। वहीं दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर जबकि कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वहीं दमन और द्वीप और गोवा , छत्तीसगढ़, के अलावा अन्य कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं जबकि बिहार और आंध्र प्रदेश के अलावा कुछ राज्यों में पेट्रोल के दाम नीचे आये हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं हरियाणा में पेट्रोल की कीमते में 0.13 पैसों की कमी आई है और 95.54 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में भी कीमतें कम हुई हैं।

शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी का सिलसिला, नए शिखर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एक दिन के कारोबार में निवेशकों को 1.73 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार में लगातार सातवें दिन मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही बाजार अभी तक के सर्वोच्च स्तर पर बंद होने में भी सफल रहा। गुरुवार को कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई थी। दिन के कारोबार में शेयर बाजार मामूली उतार-चढ़ाव के साथ आगे बढ़ता रहा, लेकिन दोपहर 2 बजे के बजे के बाद बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू गई। इस खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गए। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स ने 0.78 प्रतिशत और निफ्टी ने 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार का अंत किया।

गुरुवार को दिन भर के कारोबार में ऑटोमोबाइल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही आईटी, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, टेक और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार का अंत किया। गुरुवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने दो लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 476.98 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 475.25 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,081 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,698 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,279 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 104 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,485 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,025 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,460 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और 6 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 2.31 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 85,167.56 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद शेयर बाजार में लिवालों और बिकवालों बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा।

बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 63.13 अंक टूट कर 85,106.74 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बावजूद बाजार में ओवरऑल खरीदारी का रुख ही ज्यादा था, जिसकी वजह से ये सूचकांक भी ज्यादातर समय हरे निशान में ही बना रहा। दोपहर 2 बजे के बाद बाजार में आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में जोरदार तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 760.56 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 85,930.43 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन कारोबार के बाद सेंसेक्स 666.25 अंक की बढ़त के साथ क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 85,836.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 1.25 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 26,005.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद से ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई। बिकवाली के दबाव में निफ्टी कुछ देर के लिए मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में भी गया, लेकिन ये सूचकांक ज्यादातर समय हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। दोपहर 2 बजे के करीब खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण ये सूचकांक 246.75 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 26,250.90 अंक तक पहुंच गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 211.90 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 26,216.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से मारुति सुजुकी 4.68 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 3.15 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 3.07 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.96 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

दूसरी ओर, सिप्ला 1.30 प्रतिशत, ओएनजीसी 1.17 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 0.84 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 0.61 प्रतिशत और एनटीपीसी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

कंपनी ने कस्टूमर्स को दी नई सुविधा

डिजिटल धोखाधड़ी से ग्राहकों को बचाने एयरटेल कंपनी ने की नई सर्विस लॉन्च

नई दिल्ली।
आजकल स्पैम कॉल्स और एसएमएस काफी बढ़ते जा रहे हैं। स्पैम कॉल्स और एसएमएस से लोगों के साथ फ्रॉड हो जाता है। ऐसे में स्पैम कॉल्स और एसएमएस पर प्रतिबंध लगाने के लिए भारती एयरटेल ने अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए नई सर्विस लॉन्च की है।

कंपनी ने डिजिटल धोखाधड़ी से अपने ग्राहकों को बचाने के लिए यह पहल की है। एयरटेल ने भारत का पहला नेटवर्क-बेस्ड, एआई पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन लॉन्च किया है। इस सर्विस से यूजर्स स्पैम कॉल्स और एसएमएस से बच सकते हैं। कंपनी का कहना है कि ये सॉल्यूशन स्पैम कॉल्स और सॉल्यूशन की रियल टाइम की जानकारी यूजर्स को देगा।

सभी एयरटेल यूजर्स के लिए यह एआई-पावर्ड स्पैम डिटेक्शन सॉल्यूशन एकदम फ्री है। ये सर्विस एयरटेल का कोई भी प्रीपेड और पोस्टपेड यूजर्स इस्तेमाल कर सकता है। इसके अलावा यूजर्स को अपने फोन में इस सर्विस को एक्टिव करने के लिए कुछ नहीं करना है। सर्विस अपने आप ही एयरटेल यूजर के फोन में एक्टिव हो जाएगी। एयरटेल ने इस बात को कंफर्म किया है कि यह सर्विस सिर्फ स्मार्टफोन के लिए है।

डुअल लेयर प्रोटेक्शन के तौर पर किया डिजाइन

एयरटेल के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल विट्ठल ने बताया कि स्पैम कस्टमर्स के लिए एक खतरा हैं। हमने पिछले 12 महीने इस परेशानी को दूर करने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि डुअल लेयर प्रोटेक्शन के तौर पर डिजाइन इस सॉल्यूशन में दो फिल्टर हैं। एक फिल्टर नेटवर्क लेवल पर काम करता है और दूसरा आईटी डिस्टम लेयर पर।

सभी कॉल्स और एसएमएस इस डुअल लेयर प्रोटेक्शन सिस्टम से पास होती हैं। एयरटेल का यह सिस्टम सिर्फ दो मिली सेकंड में 1.5 अरब एसएमएस और 2.5 अरब कॉल्स को डेली प्रोसेस करता है। एयरटेल ने इस टेक्नोलॉजी को 400 एयरटेल डेटा साइंटिस्ट्स की मदद से डेवलप किया है।

ईजमाईट्रिप के प्रमोटर ने बेची 920 करोड़ रुपये में 14फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली।
ईजी ट्रिप प्लानर्स (ईजमाईट्रिप) के प्रोमोटरों में से एक निशांत पिट्टी ने खुले बाजार के लेनदेन के जरिये कंपनी में अपनी 14 फीसदी हिस्सेदारी 920 करोड़ रुपए में बेच दी है। एनएसई पर उपलब्ध सौदों के आंकड़ों के मुताबिक निशांत ने 24,65,49,833 शेयर बेच दिए हैं जो ईजी ट्रिप प्लानर्स में 14 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों को 37.22-38.28 रुपए प्रति शेयर के प्राइस रेंज में बेचा गया है। इस तरह सौदे का कुल आकार 920.06 करोड़ रुपए रहा।

हिस्सेदारी बिक्री के बाद ईजी ट्रिप प्लानर्स में निशांत पिट्टी की हिस्सेदारी 28.13 फीसदी से घटकर 14.22 फीसदी रह गई है। कंपनी में प्रोमोटरों की कुल हिस्सेदारी 64.30 फीसदी से घटकर 50.39 फीसदी रह गई। इस बीच कोरे4 मार्कोम ने ईज़ी ट्रिप प्लानर्स और क्राफ्ट इमर्जिंग मार्केट फंड पीसीसी के पांच करोड़ शेयर, एलीट कैपिटल फंड ने कंपनी के 1.05 करोड़ शेयर खरीदे हैं। शेयर 34.25-37.95 रुपए प्रति शेयर की कीमत सीमा में खरीदे गए हैं, जिससे कुल डील वैल्यू 225.71 करोड़ रुपए हो गई है। ईजी ट्रिप प्लानर्स ऑनलाइन ट्रेवल बुकिंग प्लेटफॉर्म ईजमाईट्रिप की मूल कंपनी है। कंपनी की स्थापना 2008 में निशांत पिट्टी, रिकांत पिट्टी और प्रशांत पिट्टी ने की थी। बीएसई पर ईज़ी ट्रिप प्लानर्स के शेयर बुधवार को एनएसई पर 15.32 फीसदी या 6.28 रुपए प्रति शेयर की गिरावट लेकर 34.70 रुपए के अपने ऑल टाइम लो लेवल पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में गिरावट निशांत पिट्टी के अपनी हिस्सेदारी निकालने के चलते आई है। ट्रैवल बुकिंग प्लेटफॉर्म ईज़ी ट्रिप प्लानर्स ने जून 2024 तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 31 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की, जो 25.9 करोड़ से बढ़कर 33.93 करोड़ हो गया। कंपनी की कुल आय अप्रैल-जून की अवधि में बढ़कर 156.22 करोड़ हो गई, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 126.64 करोड़ थी।

डिजिटल लेंडर्स ने पहली तिमाही में बांटा 37,676 करोड़ रुपए का लोन

मुंबई।
डिजिटल लेंडर्स ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 37,676 करोड़ रुपए के 2.64 करोड़ लोन बांटे हैं। लोन के वॉल्यूम में सालाना आधार पर 15 फीसदी और लोन की वैल्यू में 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर एम्पावरमेंट (एफएसीई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक इस तिमाही में लोन का औसत टिकट साइज 12,997 रुपए रहा, जो कि 2023-24 की पहली तिमाही के मुकाबले 16 फीसदी ज्यादा है।

आंकड़ों से साफ होता है कि डिजिटल क्रेडिट की मांग मजबूत बनी हुई है, जिसमें वित्तीय समावेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। एफएसीई के सीईओ सुगंध सक्सेना ने बताया कि हमारी सदस्य कंपनियों ने कंज्यूमर गाइडलाइन और विवेकपूर्ण रिस्क मैनेजमेंट के जिरए से ग्राहकों की क्रेडिट जरूरतों को पूरा किया है, जिससे वे सभी पक्षकारों का विश्वास जीतने में सफल रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया कि अप्रैल से जून की अवधि में 11 कंपनियों ने पांच लाख से ज्यादा लोन दिए हैं, जिनकी कुल वॉल्यूम में 93 फीसदी हिस्सेदारी रही। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में करीब 55 फीसदी कंपनियों की वॉल्यूम में बढ़ोतरी हुई है, जबकि 80 फीसदी कंपनियों ने लोन की वैल्यू में इजाफा किया है। रिपोर्ट में शामिल 33 कंपनियों में से 27 कंपनियों का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट जून 2024 तक 47,362 करोड़ रुपए था, जो कुल बांटे गए लोन की वैल्यू का 80 फीसदी है। इनमें से 10 कंपनियों का एयूएम एक हजार करोड़ से ज्यादा है। एफएसीई, फिनटेक क्षेत्र में आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन है, जो डिजिटल लेंडर्स की बढ़ती भूमिका और वित्तीय समावेशन को सुनिश्चित करने में सहायक है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति से की मुलाकात

समरकंद/नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को यहां उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव से मुलाकात की। केंद्रीय वित्त मंत्री ने मिर्जियोयेव को उप प्रधानमंत्री और व्यापार, निवेश एवं उद्योग मंत्री के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए हुई अत्यंत उपयोगी बैठक की जानकारी दी।

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि वित्त मंत्री ने समरकंद में एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं वार्षिक बैठक से इतर उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति से मुलाकात की। मुलाकात में उन्होंने सुझाव दिया कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच पर्यटन लगातार बढ़ रहा है। इसलिए फिनटेक में सहयोग तथा सीमा पार वास्तविक समय भुगतान प्रणाली पर द्विपक्षीय चर्चा से दोनों देशों के छात्रों, पर्यटकों और व्यवसायों को फायदा होगा।

मंत्रालय के मुताबिक सीतारमण ने मुलाकात के दौरान उन्हें जानकारी दी कि सतत विकास की दिशा में भारत उज्बेकिस्तान के प्रयासों की सराहना करता है। साथ ही दोनों देश हरित प्रौद्योगिकियों और जलवायु कार्रवाई पहलों पर सहयोग करने के तरीके तलाश सकते हैं। भारत के द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने की संभावना को स्वीकार करते हुए राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने सहयोग के पारंपरिक क्षेत्रों को मजबूत करने के अलावा डिजिटल प्रौद्योगिकियों तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग करने के प्रस्तावों की सराहना की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति मिर्जियोयेव को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही अगस्त 2024 में आयोजित तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में भाग लेने के लिए उज्बेकिस्तान को धन्यवाद दिया। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने मुलाकात के दौरान कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरा ऐतिहासिक संबंध है और द्विपक्षीय संबंधों को अधिक मजबूत करने के लिए उनके समर्थन का आश्वासन दिया।

बीसीसीएल के रणनीतिक कदमों से घरेलू कोकिंग कोल की खपत बढ़ी : कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली।
कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने आत्मनिर्भर भारत विजन के तहत 'मिशन कोकिंग कोल' पहल में अपनी सक्रिय भूमिका के जरिए आयातित कोयले पर देश की निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कंपनी के रणनीतिक कदमों से घरेलू कोकिंग कोल की खपत बढ़ी है।

कोयला मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में बताया है कि कोकिंग कोल की सबसे बड़ी उत्पादक कंपनी बीसीसीएल ने मिशन कोकिंग कोल पहल के तहत घरेलू कोकिंग कोयले की खपत को बढ़ाने के लिए विभिन्न रणीतिक कदम उठाए हैं। ट्रेंच सात के तहत ऑफर किए गए 3.36 मीट्रिक टन कोकिंग कोयले में से 2.40 मीट्रिक टन की बुकिंग हो गई है। कंपनी की स्थापना के बाद कोयला बुकिंग में यह एक नया मानक स्थापित हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी बीसीसीएल के इन प्रयासों से घरेलू कोकिंग कोल के उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, आयात पर निर्भरता कम होगी और भारत में इस्पात उद्योग को मजबूती मिलेगी। कोयला मंत्रालय ने कहा कि नीलामी प्रक्रिया के बारे में कंसोर्टियम बोली और स्पष्ट संचार के सफल कार्यान्वयन ने अधिक भागीदारी सुनिश्चित की है, जिससे उपभोक्ताओं और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के तहत आयात प्रतिस्थापन के देश के व्यापक लक्ष्य दोनों को लाभ हुआ है। बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता ने ट्रंच सात की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि नीलामी प्रक्रिया को अधिक समावेशी और पारदर्शी बनाने के लिए किए गए ठोस प्रयासों ने महत्वपूर्ण रूप से लाभ दिया है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम में मेरा स्वप्निल पदार्पण था : गुरजोत सिंह

बेंगलुरु। 19 वर्षीय गुरजोत सिंह ने हाल ही में चीन के मोकी में आयोजित हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए पदार्पण किया। युवा फॉरवर्ड को साई में ट्रायल के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के बाद जूनियर टीम से बुलाया गया था, जबकि हरमनप्रीत और उनकी टीम ओलंपिक के लिए पेरिस में थी।

गुरजोत ने हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के सभी 7 मैच खेले और हालांकि वह एक भी गोल नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने खुद को साबित किया और मैदान पर बहुत समर्पण और कड़ी मेहनत दिखाई।

हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक बयान में गुरजोत ने कहा, सीनियर टीम में माहौल बहुत अच्छा है, सभी सीनियर बड़े भाइयों की तरह हैं जो ज़्यादातर समय माहौल को हल्का रखते हैं। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में मेरा डेब्यू एक सपने जैसा था। मैं चीन के खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित था, मुझे लगा कि मैं अपने डेब्यू पर गोल करूँगा, लेकिन भले ही मैं गोल न कर सका, लेकिन मैंने खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और यह एक अच्छा प्रदर्शन था। खेल से पहले हरमनप्रीत सिंह ने मुझे आश्वस्त किया कि ज़्यादा सोचने या डरने की ज़रूरत नहीं है; मुझे बस वैसा ही खेलना है जैसा मैं आमतौर पर कैंप में खेलता हूँ, आज़ादी से खेलना है और गलतियाँ करने के बारे में नहीं सोचना है।

गुरजोत पंजाब के एक छोटे से गाँव हुसैनाबाद से हैं। उनके पिता पास के एक गाँव में दूधवाले हैं, उनकी माँ गृहिणी हैं और उनकी बहनें अपनी पढ़ाई कर रही हैं। बचपन में गुरजोत बहुत शरारती थे। जब वह 6 साल के थे, तब उनकी साइकिल दुर्घटना हो गई थी, जिससे उनकी जान को ख़तरा था। दुर्घटना में उनके सिर के पिछले हिस्से में सात टांके लगे थे।

उस दुर्घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा, दुर्घटना के बाद, कुछ सालों तक मुझे थोड़ी कमजोरी रही, लेकिन जब मैं 10 साल का हुआ, तो मैं पूरी तरह से ठीक हो गया और पास के एक सरकारी स्कूल में पढ़ने लगा। स्कूल में, मैंने देखा कि हॉकी खेलने वाले बच्चों को थोड़ी ज़्यादा आज़ादी मिलती थी। वे क्लास में देर से आते और अभ्यास के लिए थोड़ा जल्दी चले जाते, इसलिए मैंने सोचा कि क्यों न इस खेल में हाथ आजमाया जाए।

2020 तक गुरजोत को अपने पिता का हाथ बंटाने के लिए चप्पल बनाने वाली फैक्ट्री में काम करना पड़ा। वह सुबह अभ्यास करते और रात में काम। उसी साल बाद में, एक स्थानीय टूर्नामेंट में, गुरजोत का सामना भावी टीम के साथियों अभिषेक और सुखजीत से हुआ। खेल के दौरान उन्हें यह भी बताया गया कि राउंडग्लास हॉकी अकादमी अगले दिन ट्रायल आयोजित करेगी।

गुरजोत ने अपना बैग पैक किया और जालंधर में ट्रायल में कोचों को प्रभावित करने के लिए निकल पड़े। राउंडग्लास हॉकी अकादमी के खिलाड़ी के रूप में, गुरजोत ने भोपाल में पहली हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2021 में खेला और चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित करके भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम में जगह बनाई।

तब से वह 2023 सुल्तान ऑफ जोहोर कप, पुरुष हॉकी एशिया कप सलालाह 2023, एफआईएच हॉकी विश्व कप ओमान 2024 और हाल ही में हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में खेल चुके हैं। 12वें सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2024 और पुरुष जूनियर एशिया कप मस्कट 2024 के साथ, गुरजोत ने अपना ध्यान वापस जूनियर टीम पर केंद्रित कर लिया है।

उन्होंने कहा, हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी सीखने का एक अच्छा अनुभव था, मुझे सीनियर टीम की मांगों के बारे में पहले से पता था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह मेरे लिए एक स्वप्निल शुरुआत थी, क्योंकि हमने सभी मैच जीते और खिताब भी जीता, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है और बहुत कुछ सुधार करना है। मुझे सर्कल में अपने मूवमेंट पर काम करना है, विरोधियों पर दबाव बनाने में तेज़ होना है और गेंद पर अपनी गति बढ़ानी है।

न्यूज ब्रीफ

रूस के स्विडलर ने जेरूसलम मास्टर्स रैपिड शतरंज टूर्नामेंट जीता

यरूशलम। रूसी ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर ने बुधवार को संपन्न हुए यरूशलम मास्टर्स रैपिड शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। पश्चिमी यरूशलम के रमाडा होटल में आयोजित दो दिवसीय टूर्नामेंट में दस ग्रैंडमास्टर्स ने हिस्सा लिया, जिसमें दुनिया के पांच शीर्ष खिलाड़ी और पांच इजरायली राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी शामिल थे। उन्होंने राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा की और प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 15 मिनट का समय निर्धारित किया गया। स्विडलर ने 6.5 अंक हासिल किए और 30,000 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार जीता। वह केवल एक मैच हारे, (आखिरी दौर में अपने हमवतन डेनियल डुबोव के खिलाफ), हालांकि उन्होंने पहले ही पहला स्थान हासिल कर लिया था। उज्बेकिस्तान में आयोजित पिछली रैपिड विश्व शतरंज चैंपियनशिप में सातवें स्थान पर रहने वाले डुबोव ने इस बार डचमैन जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के साथ दूसरा स्थान साझा किया, दोनों ने 5.5 अंक हासिल किए। चार टाई-ब्रेकिंग विधियों का उपयोग करने के बाद भी दोनों को अलग नहीं किया जा सका। वहीं, 290 खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ एक खुली प्रतियोगिता भी हुई, जिसे 18 वर्षीय इजरायली याहली सोकोलोव्स्की ने जीता, जिन्होंने नौ मैचों में आठ अंक प्राप्त किए।

दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा लेंगे युगांडा के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जोशुआ चेप्टेगी

नई दिल्ली। 10,000 मीटर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जोशुआ चेप्टेगी 2024 वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लेंगे।

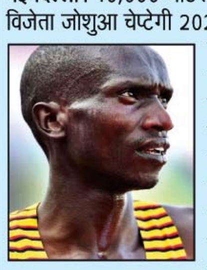

युगांडा के स्टार धावक चेप्टेगी ने पेरिस ओलंपिक में जीत के बाद ट्रैक स्पर्धाओं से संन्यास ले लिया और यह स्पष्ट कर दिया कि अब वह मैराथन में भाग लेंगे। युगांडा एथलेटिक्स फेडरेशन (यूएएफ) के अध्यक्ष डोमिनिक ओटुचेट ने सिन्हुआ को बताया, चेप्टेगी भारत में 2024 वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लेंगे। वह बड़ी मैराथन स्पर्धाओं से पहले बेहतर तैयारी के लिए हाफ मैराथन का उपयोग करेंगे। पिछले सप्ताहांत युगांडा के इस स्टार ने नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में डैम टॉट डैमलूप 10-मील रेस के 38वें संस्करण में 45 मिनट और पांच सेकंड में दूसरा स्थान हासिल किया। ओटुचेट ने बताया कि चेप्टेगी को रोड रेस में जल्दी से ढलने के लिए कई हाफ मैराथन रेस में भाग लेने की आवश्यकता होगी। ओटुचेट ने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि चेप्टेगी रोड रेस में सुधार करते रहेंगे क्योंकि वह एक दृढ़ निश्चयी और अनुशासित एथलीट हैं जो चैंपियन बनना जानते हैं। पेरिस 2024 में युगांडा के एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी 2025 में टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मैराथन के लिए क्वालीफाई करने पर भी अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए, उन्हें अगले साल क्वालीफाइंग रेस में 2:06:30 से कम का मैराथन समय निकालना होगा।

प्रो कबड्डी लीग का 11वां सीजन 18 अक्टूबर से होगा शुरू

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का 11वां संस्करण 18 अक्टूबर, 2024 से शुरू होगा। रितेश देशमुख, सुदीप किच्चा, आलिया भट्ट, भुवन बाम और क्रिकेट स्टार केएल राहुल और हार्दिक पांड्या जैसी कई हस्तियां लीग में दिखाई दे सकती हैं। इस सेलिब्रिटी समूह में सबसे आगे पीकेएल के ब्रांड एंबेसडर रितेश देशमुख और सुदीप किच्चा हैं। महाराष्ट्र के बॉलीवुड अभिनेता रितेश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों तरह की अपील लेकर आते हैं जो देश भर के प्रशंसकों से जुड़ती है। पीकेएल की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कन्नड़ सिनेमा की एक बड़ी हस्ती सुदीप किच्चा कर्नाटक में उत्साही प्रशंसक आधार को उत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बॉलीवुड सुपरस्टार आलिया भट्ट और डिजिटल सनसनी भुवन बाम भी सितारों से सजी इस सूची में शामिल हैं। आलिया भट्ट अपनी व्यापक अपील और प्रभाव के साथ युवा पीढ़ी को कबड्डी से जुड़ने के लिए प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। डिजिटल स्पेस में अग्रणी भुवन बाम अद्वितीय सामग्री सहयोग के माध्यम से पारंपरिक खेल प्रशंसकों और डिजिटल-प्रथम दर्शकों के बीच की खाई को पाटेंगे। भारत के दो सबसे बड़े जुनून- क्रिकेट और कबड्डी के मेल से देश के कुछ शीर्ष क्रिकेटर लीग का समर्थन करने के लिए आगे आए हैं। केएल राहुल और हार्दिक पांड्या पीकेएल के प्रचार में नजर आएंगे, जो कबड्डी और क्रिकेट को एक साथ जोड़ने वाले एथलेटिकिज्म, साहस और दृढ़ संकल्प के बीच समानताएं दर्शाते हैं। इस बार पीकेएल तीन शहरों के प्रारूप में लौटेगा।

यूपीसीए ने सुरक्षा चिंताओं को खारिज किया

कानपुर का ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम भारत-बांग्लादेश दूसरे टेस्ट के लिए तैयार

कानपुर। भारतीय क्रिकेट टीम कानपुर के ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए तैयार है, लेकिन स्टेडियम की सुरक्षा, खासकर सी बालकनी को लेकर चिंता जताई जा रही है। हालांकि, उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के अधिकारी ने किसी भी तरह के सुरक्षा जोखिम से साफ इनकार किया है और प्रशंसकों को आश्वासन दिया है कि सभी जरूरी सावधानियां बरती गई हैं।

ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई हैं कि सी बालकनी, जिसमें आमतौर पर 10,000 दर्शक बैठ सकते हैं, संरचनात्मक रूप से कमजोर है और प्रशंसकों के वजन के कारण इसके गिरने का खतरा हो सकता है। इसके जवाब में, यूपीसीए ने स्थिति का आकलन करने के लिए लोक निर्माण विभाग और कानपुर के हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों को बुलाकर तेजी से कार्रवाई की।

गुरुवार को यूपीसीए के आयोजन स्थल निदेशक संजय कपूर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा, यह सब निराधार अफवाहें हैं कि प्रशंसकों की सुरक्षा को लेकर चिंता है। बालकनी पर उपलब्ध 10,000 सीटों में से, हमें क्षमता को घटाकर 7,200 करने की सलाह दी गई है, और हम शेष 2,800 सीटों के लिए टिकट नहीं बेच रहे हैं।

कपूर ने जोर देकर कहा कि प्रशंसकों की सुरक्षा एसोसिएशन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।जनता को और अधिक आश्वस्त करने के लिए, यूपीसीए ने इस मैच के लिए स्टेडियम की कुल बैठने की क्षमता में पर्याप्त सुधार किया है।

कपूर ने कहा, सी बालकनी में कमी के बावजूद, हम पिछले मैच की तुलना में प्रशंसकों के लिए सीटों की संख्या में लगभग 6,000 की वृद्धि करने में सफल रहे हैं। अब हमारे पास इस टेस्ट में दर्शकों के लिए 26,007 सीटें उपलब्ध हैं। युवा दर्शकों को आकर्षित करने के लिए, यूपीसीए ने मैच के प्रत्येक दिन 3,000 स्कूली छात्रों के लिए सीटें आरक्षित की हैं।

इसके अलावा, कपूर ने पुष्टि की कि स्टेडियम की फ्लडलाइट्स पूरी तरह से चालू हैं। उन्होंने कहा, फ्लडलाइट्स ठीक से काम कर रही हैं और हर चीज की पूरी तरह से जांच की गई है। हम किसी भी मौसम की चुनौतियों के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल किसी भी प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए सुसज्जित है।

भारत के सबसे पुराने क्रिकेट स्थलों में से एक ग्रीन पार्क स्टेडियम की स्थापना 1945 में हुई थी और इसने 1952 में भारत और इंग्लैंड के बीच अपना पहला टेस्ट मैच आयोजित किया था। पिछले कुछ वर्षों में, स्टेडियम ने सभी प्रारूपों में कई प्रतिष्ठित मैच देखे हैं। हालाँकि इसकी शुरुआती बैठने की क्षमता लगभग 32,000 थी, लेकिन आधुनिकीकरण के प्रयासों और नए पवेलियन के निर्माण के कारण सीटों की संख्या में कमी आई है।

ऋषभ की आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष दस में वापसी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष दस में पहुंच गये हैं। ऋषभ को बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में शतक लगाने का लाभ मिला है और इसी कारण वह रैंकिंग में ऊपर आये हैं। बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में खेले गए टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें 731 रेटिंग अंक प्राप्त हुए और वह टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं भारत के ही यशस्वी जायसवाल भी 751 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर कायम हैं। वहीं भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को रैंकिंग में नुकसान हुआ है। वह पांच स्थान नीचे फिसलकर 716 अंकों के साथ दसवें स्थान पर आ गये हैं। दूसरी ओर, गेंदबाजी रैंकिंग में श्रीलंका के प्रभात जयसूर्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से बेहतर रैंकिंग हासिल की है। जयसूर्या ने 9 विकेट लिए और 743 रेटिंग अंकों के साथ पांच पायदान ऊपर आकर टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में वह आठवें स्थान पर पहुंच गये। श्रीलंका के ही असिथा फर्नांडो 13वें स्थान पर फिसल गये हैं।

शाकिब ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लिया, कानपुर में भारत के खिलाफ हो सकता है आखिरी टेस्ट

कानपुर। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन ने गुरुवार को टी20 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की और यह भी पुष्टि की कि वह अगले महीने ढाका में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लेंगे। भावुक शाकिब ने गुरुवार को यह घोषणा भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की।

उन्होंने कहा, नए खिलाड़ियों को लाने का यह सही समय है। टी20आई के लिए भी यही दृष्टिकोण है। मैंने मुख्य चयनकर्ता और बीसीबी अध्यक्ष से बात की है और हम सभी को लगा कि आगे बढ़ने और नए खिलाड़ियों को मौका देने का यह सही समय है।

शाकिब ने खुलासा किया कि उन्होंने मीरपुर में अपने घरेलू दर्शकों के सामने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की इच्छा जताई है। हालांकि, अगर उनकी इच्छा पूरी नहीं होती है, तो भारत के खिलाफ मैच टेस्ट क्रिकेट में उनका आखिरी मैच होगा।

शाकिब ने कहा, मैंने मीरपुर में अपना आखिरी टेस्ट खेलने की इच्छा जताई है, अगर ऐसा नहीं होता है, तो भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट मेरा आखिरी टेस्ट होगा। उन्होंने आगे कहा, बांग्लादेश क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मैं इस प्रारूप में अपना आखिरी टेस्ट मैच घर पर ही देना चाहता हूँ। हालांकि, वह फ्रेंचाइजी लीग में खेलना जारी रखेंगे और राष्ट्रीय टीम में वापसी की संभावना से इनकार नहीं करते।

उन्होंने कहा, लेकिन अभी के लिए, आप कह सकते हैं कि मैं दोनों प्रारूपों से आगे बढ़ रहा हूं। अगर मैं टी20 लीग में अच्छा प्रदर्शन करता हूं और बीसीबी को लगता है कि उन्हें एक निश्चित समय के लिए टीम में मेरी जरूरत है, तो हम विचार कर सकते हैं। लेकिन अभी के लिए, यही है। शाकिब ने बांग्लादेश के लिए 129 टी-20आई मैचों में हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने 121.18 की स्ट्राइक रेट से 2,551 रन बनाए। हालाँकि, गेंद के साथ उनका प्रभाव टीम के लिए अधिक महत्वपूर्ण साबित हुआ। 126 पारियों में, शाकिब ने 149 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/20 रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि शाकिब अल हसन का टेस्ट डेब्यू भी भारत के खिलाफ हुआ था। बांग्लादेश के लिए उनका पहला रेड-बॉल प्रदर्शन मई 2007 में चटगाँव में हुआ था, और तब से, उन्होंने अपने देश के लिए 70 टेस्ट मैच खेले हैं। अपने नाम एक शानदार रिकॉर्ड के साथ, शाकिब ने 4,600 रन बनाए हैं, जिसमें पाँच शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं, जिससे वह बांग्लादेश के टेस्ट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं - एक ऐसा स्थान जिसे शाकिब के अपने टेस्ट करियर के अंत तक बनाए रखने की संभावना है।

चेन्नइयन एससी को मोहम्मडन एससी के खिलाफ घर पर खेलने का मिलेगा फायदा

चेन्नई। चेन्नइयन एफसी की टीम आज शाम यहां जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में मोहम्मडन एससी के खिलाफ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में पहला घरेलू मुकाबला खेलेगी। मरीना माचांस ने सीजन के अपने शुरुआती अवे मैच में ओडिशा एफसी पर 3-2 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि मोहम्मडन एससी ने एफसी गोवा के साथ 1-1 से ड्रा खेलकर आईएसएल में पहली बार अंक हासिल किया।

चेन्नइयन एफसी घर वापसी से खुश होगी क्योंकि उसने घरेलू मैदान पर खेले गए पिछले सात मैचों में से पांच जीते हैं। सकारात्मक घरेलू प्रदर्शन ने पिछले सीजन में उसे प्लेऑफ पहुंचाया था। मोहम्मडन एससी आईएसएल में पहली बार अवे मैच खेलेगी। मोहम्मडन एससी ने अपने दूसरे आईएसएल मुकाबले में 18-यार्ड बॉक्स के अंदर से 15 शॉट लगाए। विपक्षी बॉक्स के अंदर आकर शॉट लगाने की ब्लैक पैंथर्स की प्रवृत्ति चेन्नइयन एफसी की डिफेंस को परेशान करेगी। स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल के अनुसार चेन्नइयन एफसी जहां भी खेलें, उसका इरादा हर मुकाबले से पूरे तीन अंक हासिल करना है। उन्होंने कहा, मैं जिस मानसिकता और एकाग्रता की बात करता हूं, उसे टीम बनाए रखती है। हमारे शुरुआती दस मैचों में से सात घर से बाहर हैं। इसलिए, चाहे घर हो या बाहर, हम जीत के लिए खेलते हैं। मोहम्मडन एससी के रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव ने अपने खिलाड़ियों के हौसलें पर गर्व व्यक्त किया। उन्हें उम्मीद है कि वे आगामी मैचों के लिए अच्छे से तैयार होने के लिए शारीरिक मजबूत पर काम करते रहेंगे। चेर्निशोव ने कहा, मेरे खिलाड़ी बढ़िया फुटबॉल खेल रहे हैं और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने आईएसएल में उपस्थिति दर्ज कराई है। लेकिन अब हमारे पास पर्याप्त समय नहीं है। हमें अब अवे मैच खेलना है। हम शारीरिक मजबूती पर काम जारी रखेंगे।

गोविंद के चार विकेट की मदद से गोंडा टाइटंस ने लवकुश नगर को दी मात, बाराबंकी और एनएचबी ने भी जीते मैच

लखनऊ। वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के तत्वावधान में डीपी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 23वां आदिकवि महर्षि वाल्मीकि क्रिकेट टूर्नामेंट में गोण्डा टाइटंस, एनएचबी व बाराबंकी घंटाघर इलेवन ने जीत से पूरे अंक जुटाए। गोण्डा टाइटंस व बाराबंकी घंटाघर ने दो मैच खेलते हुए एक-एक जीते।

चौक स्टेडियम पर पहले मैच में गोण्डा टाइटंस ने लवकुश नगर अभिराज इलेवन को 7 विकेट से हराया। लवकुश नगर अभिराज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट पर 84 रन बनाए। हिमांशु ने 34 व विक्की ने 22 रन जोड़े। गोण्डा टाइटंस से गोविंद को चार व वरुण को दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में गोण्डा टाइटन्स ने 8 ओवर में तीन विकेट पर 87 रन बनाकर मैच जीत लिया। गोविंद ने 23 व साहिल ने 18 रन बनाकर जीत दिलाई। हरफनमौला पारी खेलने वाले गोण्डा टाइटंस के गोविंद को मैन ऑफ द मैच व बेस्ट कैच का पुरस्कार वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के अध्यक्ष नरेश वाल्मीकि, आयोजन समिति के अध्यक्ष वाल्मीकि अंकित घावरी व महामंत्री आशीष घावरी ने दिया। इस अवसर पर रमन कुमार, मोहम्मद रियाज वाल्मीकि, आर वी घावरी, रिप्पी वाल्मीकि मौजूद थे।

दूसरे मैच में एनएचबी ने बाराबंकी घंटाघर इलेवन को 10 रन से हराया। एनएचबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जयकिशन के 25 व करन के 17 रन से 5 विकेट पर 86 रन बनाए। बाराबंकी घंटाघर से सूरज व कामेश को दो-दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में बाराबंकी घंटाघर 8 विकेट पर 76 रन ही बना सका। एनएचबी से मैन ऑफ द मैच सचिन को तीन एवं यश व सुमित को दो-दो विकेट की सफलता मिली। बेस्ट कैच का पुरस्कार बाराबंकी घंटाघर के अभिषेक को मिला।

तीसरे मैच में बाराबंकी घंटाघर इलेवन ने गोण्डा टाइटंस को 78 रन से हराया। बाराबंकी घंटाघर इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 108 रन बनाए। जवाब में गोण्डा टाइटन्स आठ ओवर में 30 रन बना सका। बाराबंकी घंटाघर इलेवन से अक्षय को चार व मैन ऑफ द मैच कामेश को तीन विकेट की सफलता मिली। बेस्ट कैच का पुरस्कार बाराबंकी घंटाघर के सूरज को मिला।

राहुल वापसी करेंगे, हमारी भूमिका उनकी प्रगति में सहयोग करना है: नायर

कानपुर। भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है, ऐसे में सभी की निगाहें केएल राहुल पर टिकी हैं, जो लंबे समय से चोटिल होने के बाद लाल गेंद के क्रिकेट में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

35 के आसपास औसत और लगातार खराब प्रदर्शन के साथ, राहुल के हालिया फॉर्म ने टीम में उनकी जगह पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, भारतीय बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर अनुभवी बल्लेबाज के फॉर्म में लौटने को लेकर आशावादी हैं। दूसरे महत्वपूर्ण टेस्ट से पहले नायर ने राहुल की हालिया चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन कठिन दौर में खिलाड़ियों का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया।

नायर ने गुरुवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम सभी जानते हैं कि राहुल किस तरह के खिलाड़ी हैं। उनके पास अनुभव और प्रतिभा है, लेकिन हर क्रिकेटर ऐसे दौर से गुजरता है, जहां चीजें ठीक नहीं होती हैं। ऐसे समय में एक कोचिंग टीम के रूप में हमारी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, हमें उन्हें आगे बढ़ने में मदद करना है।

राहुल ने दलीप ट्रॉफी की अपनी एकमात्र पारी में शुरुआती सत्र में 111 गेंदों पर 37 रन बनाए। महत्वपूर्ण मौकों पर निर्णायकता की कमी और आक्रामक स्ट्रोक का उपयोग करने की अनिच्छा के कारण उनकी आलोचना की गई। स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाने में उनकी हिचकिचाहट पर लोगों ने सवाल उठाए। दूसरी पारी में 121 गेंदों पर 57 रन की उनकी पारी आंशिक रूप से उनकी वापसी थी, क्योंकि चुनौतीपूर्ण 276 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी मुख्य जिम्मेदारी लगातार विकेट पतन के बीच एक छोर थामे रखना था।

नायर ने कहा, जब आप भारत के लिए खेल रहे होते हैं, तो आपको प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती है। कभी-कभी यह सिर्फ दिशा की बात होती है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने खेल को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। हां, ऐसे समय होते हैं जब कोई खिलाड़ी अपने पैर जमाने लगता है। मुझे लगता है कि दक्षिण अफ्रीका में, जब वह वहां थे, तो उन्होंने भारत के लिए जबरदस्त पारियां खेली थीं।

उन्होंने कहा, इसलिए हम गौतम (गंभीर) के संयोजन से बहुत आशान्वित हैं और मैंने उनसे इस बारे में चर्चा की है कि उम्मीद है कि हम केएल में भी बदलाव ला सकते हैं। इन चीजों में कभी-कभी समय लगता है। मुझे पता है कि हमने उन्हें दूसरी पारी में ज्यादा मौके नहीं दिए। लेकिन जिस तरह से वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रहे थे, हम उनसे इसी तरह की क्रिकेट की उम्मीद कर रहे थे। और मुझे पूरा यकीन है कि आगे चलकर आप उनसे उम्मीदें और प्रदर्शन देखेंगे।

हालांकि, राहुल को चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में और भी संघर्ष करना पड़ा, जब वह मध्यक्रम में कभी भी सहज नहीं दिखे। भारत के शीर्ष क्रम के ढहने के बाद, 32 वर्षीय खिलाड़ी ऐसे समय में आए जब टीम को एक ठोस साझेदारी की जरूरत थी। उन्होंने 16 रन के लिए 52 गेंदों का सामना किया। प्रशंसकों और पंडितों ने दबाव की स्थिति में उनकी सोच और बल्लेबाजी की रणनीति पर सवाल उठाए हैं, क्योंकि उनमें दृढ़ता की कमी है और वे स्थिति का फायदा उठाने में विफल रहे हैं।

भारत कानपुर टेस्ट के करीब पहुंच रहा है, इसलिए टीम का चयन अप्रत्याशित पिच स्थितियों से काफी प्रभावित होगा। नायर ने पुष्टि की कि भारत खेल के दिन के कारकों के आधार पर प्लेइंग इलेवन का फैसला करेगा, क्योंकि ग्रीन पार्क में दो पिचें तैयार की गई हैं - एक काली मिट्टी की सतह, जिससे स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है और दूसरी लाल मिट्टी की विकेट जो शुरुआत में तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती है।

नायर ने कहा, टीम संयोजन तय करने में परिस्थितियां एक बड़ा कारक होंगी। हर कोई उपलब्ध है, और हम अपनी इलेवन को अंतिम रूप देने से पहले कल देखेंगे कि पिच कैसा व्यवहार करती है।

कोच ने टीम के भीतर व्यापक नेतृत्व संरचना पर भी विचार किया, जिसमें शुभमन गिल और ऋषभ पंत सहित संभावित कप्तानों की अगली पीढ़ी पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा, हमारे पास शुभमन और ऋषभ जैसे खिलाड़ियों के साथ आदर्श कप्तान बनने की संभावना है। उनके क्रिकेट दिमाग उनकी उम्र से कहीं अधिक परिपक्व हो गए हैं।

नायर ने बताया कि जब युवा खिलाड़ी इतनी तेजी से नेतृत्व क्षमता विकसित कर रहे हैं, तो हमें किसी नामित उप-कप्तान की जरूरत नहीं है। टेस्ट मैच से एक दिन पहले, गुरुवार को कानपुर में बादल छाए हुए हैं, मैच के शुरुआती दो दिनों में बारिश की संभावना अधिक है। एक्यूवेदर के अनुसार, मैदान पर बादल छाए रहेंगे।

स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर है तुलसी

तुलसी में कई औषधीय गुण होते हैं। हृदय रोग हो या सर्दी जुकाम, भारत में सदियों से तुलसी का इस्तेमाल होता चला आ रहा है। और क्या-क्या हैं तुलसी की खूबियां, आइये इस पर एक नजर डालते हैं।

सर्दी जुकाम में लाभप्रद: सर्दी जुकाम होने पर तुलसी की पत्तियों को चाय में उबालकर पीने से राहत मिलती है। तुलसी का अर्क तेज बुखार को कम करने में भी कारगर साबित होता है। करीब सभी कफ सीरप को बनाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियां कफ साफ करने में मदद करती हैं। तुलसी के कोमल पत्तों को चबाने से खांसी और नजले से राहत मिलती है।

गले की खराश: तुलसी की पत्तियों को उबालकर पीने से गले की खराश दूर हो जाती है। इस पानी को आप गरारा करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों में बुखार, खांसी और उल्टी जैसी सामान्य समस्याओं में तुलसी बहुत फायदेमंद है।

श्वांस की समस्या: श्वांस संबंधी समस्याओं का उपचार करने में तुलसी बहुत उपयोगी साबित होती है। शहद, अदरक और तुलसी को मिलाकर बनाया गया काढ़ा पीने से ब्रोंकाइटिस, दमा, कफ और सर्दी में राहत मिलती है। नमक, लौंग और तुलसी के पत्तों से बनाया गया काढ़ा इंफ्लुएंजा (एक तरह का बुखार) में फौरन राहत देता है।

गुर्दे की पथरी: तुलसी गुर्दे को मजबूत बनाती है। यदि किसी के गुर्दे में पथरी हो गई हो तो उसे शहद में मिलाकर तुलसी के अर्क का नियमित सेवन करना चाहिए। छह महीने में फर्क दिखेगा।

हृदय रोग: तुलसी खून में कोलेस्ट्राल के स्तर को घटाती है। ऐसे में हृदय रोगियों के लिए यह खासी कारगर साबित होती है।

तनाव: तुलसी की पत्तियों में तनाव रोधीगुण भी पाए जाते हैं। हाल में हुए शोधों से पता चला है कि तुलसी तनाव से बचाती है। तनाव को खुद से दूर रखने के लिए कोई भी व्यक्ति तुलसी के 12 पत्तों का रोज दो बार सेवन कर सकता है।

संक्रमण और त्वचा रोग: अल्सर और मुंह के अन्य संक्रमण में तुलसी की पत्तियां फायदेमंद साबित होती हैं। रोजाना तुलसी की कुछ पत्तियों को चबाने से मुंह का संक्रमण दूर हो जाता है। दाद, खुजली और त्वचा की अन्य समस्याओं में तुलसी के अर्क को प्रभावित जगह पर लगाने से कुछ ही दिनों में रोग दूर हो जाता है। नैचुरोपैथों द्वारा ल्यूकोडर्मा का इलाज करने में तुलसी के पत्तों को सफलता पूर्वक इस्तेमाल किया गया है।

सांसों की दुर्गंध

तुलसी की सूखी पत्तियों को सरसों के तेल में मिलाकर दांत साफ करने से सांसों की दुर्गंध चली जाती है। पायरिया जैसी समस्या में भी यह खासा कारगर साबित होती है। सिर के दर्द में तुलसी एक बढ़िया दवा के तौर पर काम करती है। तुलसी का काढ़ा पीने से सिर के दर्द में आराम मिलता है। आंखों की जलन में तुलसी का अर्क बहुत कारगर साबित होता है। रात में रोजाना श्यामा तुलसी के अर्क को दो बूंद आंखों में डालना चाहिए।

शिशु को कब देना चाहिए सॉलिड आहार

सामान्यतः शिशु को 6 माह के बाद ही सोलिड यानी ठोस आहार देना चाहिए। इसके साथ ही कुछ बातों का ख्याल भी रखना आवश्यक है मसलन शिशु को खिलाते वक्त उसकी शारीरिक स्थिति कैसी हो। ध्यान रखें कि खाते वक्त शिशु का पोस्चर बहुत मायने रखता है। सुलाकर कतई न खिलाएं। ऐसे में उसके गले में खाने का ग्रास फंस सकता है। उसे परेशानी भी हो सकती है। जब भी उसके मुंह में खाने का निवाला दें तो उसके सिर को पीछे की ओर झुकाएं ताकि उसे निगलते हुए परेशानी न हो।

ठोस आहार के साथ मां का दूध

यह भी एक सवाल होता है कि जब शिशु को ठोस आहार दिया जाए तो क्या उसे मां का दूध पिलाना सुरक्षित है? जी, बिल्कुल सुरक्षित है। जरूरी नहीं है कि शिशु को ठोस आहार देना शुरु कर दिया है तो उसे अपना दूध न पिलाएं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि कब अपना दूध और कब ठोस आहार देना आवश्यक है। इस संबंध में विशेषज्ञों की सलाह लें।

कब-कब दें ठोस आहार

6 माह के शिशु को उठते ही ठोस आहार न दें। उनके लिए चाहिए कि उनके खानपान की शुरुआत मां अपने दूध से करें। लेकिन यही नियम 9 माह के शिशु के लिए लागू नहीं होता। उन्हें सुबह उठते ही दलिया, खिचड़ी आदि कोई भी ठोस आहार दे सकते हैं। इससे उन्हें आवश्यक पौष्टिक तत्व मिलते हैं जो उन्हें बढ़ने में मदद करता है। 9 माह के शिशु को दो से ढाई घंटे के बीच बीच में कुछ ठोस आहार देते रहें। जबकि 6 माह के शिशु को चूंकि मां का दूध भी चाहिए होता है तो उन्हें दोपहर, रात और सुबह ठोस आहार दिया जा सकता है।

खिलाते वक्त रखें ध्यान

शिशु को खिलाते वक्त ध्यान रखें कि न सिर्फ आपके हाथ धुले हुए हों बल्कि शिशु के भी हाथ धुले हों। दरअसल मुंह में ठोस पदार्थ जाते ही शिशु उन्हें अपने हाथ से छूकर देखता है, उन्हें मुंह से निकालता है। यहां तक कि नीचे गिरे दाने भी वह उठा उठाकर खाने की कोशिश करता है। ऐसे में उसके हाथ धुले होना आवश्यक है। इसके अलावा यह भी ध्यान रखें कि शिशु के खाने के दौरान टीवी, म्यूजिक आदि चीजें चल न रही हों। इससे शिशु का फोकस भटक सकता है। एक बात और जान लें कि शिशु

खाते वक्त अकसर मुंह घुमाता है, न खाने की चाह प्रकट करता है। इससे आप यह न समझ बैठें कि उसे नहीं खाना। प्रत्येक शिशु इस तरह करते हैं। अतः उन्हें कोशिशन खिलाएं।

शिशु को क्या दें

दाल: छोटे यानी 6 माह के शिशु के लिए दाल उपयुक्त आहार है। वास्तव में दाल में आयरन और कुछ अन्य तत्व होते हैं जो कि 6 माह के शिशु को जरूरी आवश्यक तत्व के लिए पर्याप्त है। ध्यान रखें कि छूटते ही उसे थक्के वाली दाल न खिलाएं। कुछ समय पतली दाल खिलाएं ताकि उसे निगलने की प्रैक्टिस हो जाए। इसके बाद थक्के वाली दाल खिलाई जा सकती है।

दलिया/खिचड़ी: 9 माह के शिशु को सिर्फ दाल न दें। उन्हें विकास के लिए कुछ अन्य तत्व की भी जरूरत है। अतः खिचड़ी या दलिया दें। लेकिन जरूरी यह है कि दलिया या खिचड़ी में तमाम किस्म की सब्जियां दें। विशेषज्ञों के मुताबिक दलिया जितने रंगों से भरी होगी अर्थात जितनी ज्यादा उसमें सब्जियां होंगी, वह उतनी ही असरकारक और स्वास्थ्यकर होगी। अतः दलिया या खिचड़ी में विभिन्न किस्म की सब्जियां अवश्य डालें। इसके अलावा उन्हें फल भी जरूर दें। फल उन्हें भीतरी रूप से ठोस बनाता है।

सब्जियां: दलिया के अलावा आप चाहें तो उन्हें मैश की हुई सब्जियां भी दे सकते हैं। सब्जियों को उबाल लें। इसके बाद उसमें मक्खन और हल्का सा नमक लगाकर शिशु को खिलाएं। शिशु को चावल भी खिलाए जा सकते हैं। चावल के साथ दाल या सब्जी बेहतरीन विकल्प है।

क्या नहीं देना चाहिए

जितना जरूरी यह जानना है कि शिशु को क्या दिया जाना चाहिए, उतना ही जरूरी यह जानना भी है कि शिशु को क्या नहीं दिया जाना चाहिए। शिशु को शहद, नींबू, संतरा, नट्स, पीनट बटर, किशमिश, बेर, सूखे बेर आदि न दें। इसके अलावा उनके हाथ में कोई भी बीज वाले फल न दें क्योंकि इससे उनके गले में बीज के अटकने का खतरा बना रहता है। यही नहीं उन्हें बहुत सूखी चीजें भी न खिलाएं जो उनके गले में फंस सकता है। अगर देते भी हैं तो साथ साथ पानी अवश्य पिलाएं।

अस्थमा में मददगार है पासासन

योग रखे निरोग, यह कहावत ही नहीं बल्कि हकीकत भी है। योग के जरिए सामान्य और खतरनाक बीमारियों पर न केवल काबू पाया जा सकता है बल्कि इनके नियमित अभ्यास से उनका उपचार भी किया जा सकता है। अस्थमा सांस संबंधी बीमारी है, जिसके उपचार में पासासन बहुत ही प्रभावी और कारगर है। इस लेख में जानते हैं, पासासन करने की विधि और यह किस तरह से अस्थमा के उपचार में कारगर है।

क्यों होता है अस्थमा

अस्थमा यानी दमा, यह सांसों की बीमारी है जिसका शिकार कोई भी हो सकता है, चाहे वह बच्चा हो या बूढ़ा। इस बीमारी के लिए जिम्मेदार कई कारण हैं, मौसम में बदलाव, प्रदूषण का बढ़ना, आनुवांशिक, आदि। इस बीमारी में म्यूकस के कारण फेफड़े काम करना तक बंद कर देते हैं। एक बार यह बीमारी किसी को हो गई तो उसका संपूर्ण उपचार नहीं हो सकता है। हालांकि इससे बचाव के तरीकों को आजमाकर इसे बढ़ने से रोका जा सकता है।

पासासन से अस्थमा का उपचार

वर्तमान में अस्थमा के उपचार के लिए बाजार में कई तरह की दवाएं मौजूद हैं। अगर लंबे समय तक इन उपचारों के प्रयोग के बारे में देखा जाये तो इनसे अस्थमा को काबू में लाया तो जा सकता है, लेकिन इनके अधिक प्रयोग से दूसरी स्वास्थ्य समस्यायें भी होने लगती हैं। ऐसे में योगासन सुरक्षित और बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। पासासन ऐसा ही योग का आसन है जिससे अस्थमा का उपचार अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। 'पास' एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है बंधन।

पासासन करने की विधि

इस आसन को करने के लिए ताड़ासन की मुद्रा में सीधे खड़े हो जाएं। फिर घुटनों को स्क्वैट करने की स्थिति में झुकाएं। इस दौरान तलवों को जमीन पर स्थिर रखें और घुटनों को मोड़कर बैठ जाएं। फिर शरीर के ऊपरी हिस्से को दाईं तरफ मोड़ें, शरीर का ऊपरी हिस्सा दाहिने घुटनों तक लाने का प्रयास कीजिए। अपने हाथों और हथेलियों को भी मोड़ लीजिए। फिर पीठ की तरफ से हाथों को ले जाकर एक हाथ से दूसरे हाथ को कसकर पकड़ लीजिए। फिर अपने सिर को ऊपर की तरफ ले जाकर लंबी सांस लें। लंबी सांसें 4-5 बार लें। फिर आराम से सामान्य स्थिति में आएं। फिर शरीर के दूसरे तरफ से इस क्रिया को दोहराएं।

पासासन के दूसरे लाभ

पासासन ऐसा योगासन है जो अस्थमा के साथ दूसरी बीमारियों को भी दूर करता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर को फिट रखा जा सकता है। मासिकधर्म, साइटिका, हल्का पीठ दर्द, कंधे का दर्द या फिर गर्दन के दर्द को ठीक करने में पासासन काफी अच्छा माना जाता है। यह पोज थोड़ा टेढ़ा-मेढ़ा जरुर है लेकिन लगातार अभ्यास करने से यह आसान हो जाता है। इस आसन से पीठ, कमर और एड़ियों की मसापेशियों में खिंचाव होता है। इससे पेट की समस्याएं भी ठीक हो जाती हैं।

बाईपास सर्जरी के बाद कैसा हो मरीज का जीवन

दिल के रोगियों को कई बार एक बार बाईपास सर्जरी के बाद दोबारा सर्जरी कराने की जरूरत पड़ती है। ऐसा अक्सर सर्जरी के बाद सावधानी न लेने के परिणामस्वरूप होता है। बाईपास सर्जरी में हृदय की धमनी में आए ब्लॉकेज को निकाला नहीं जाता, बल्कि हृदय को ब्लड पहुंचाने की व्यवस्था की जाती है। बाईपास सर्जरी के बाद दवाएं लेने से ब्लॉकिंग की प्रक्रिया धीमी हो जाती है, लेकिन रूकती नहीं है। बाईपास सर्जरी एक निश्चित समय तक ही काम आती है। और अगर बाईपास सर्जरी के बाद सावधानी के अभाव में हृदय की धमनी का ब्लॉकिंग और भी बढ़ जाती है तो दोबारा बाईपास की जरूरत पड़ती है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जोखिम कारकों को काबू में रखना जरूरी होता है। वजन, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल आदि को नियंत्रित कर इस स्थिति को टाला जा सकता है।

बाईपास सर्जरी के बाद देखभाल

- अगर वजन ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करें। रोजाना कम से कम 4 किमी टहलें।
- अगर डायबिटीज की समस्या है तो शुगर को नियंत्रित में रखने की कोशिश करें।
- ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें, अधिक वसा युक्त चीजों से बचें और कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखें।

HEALTH

प्रतिस्पर्धा भरी दुनिया में अस्वस्थ होने का जोखिम

ये तनाव कहीं ले न ले आपकी जान

बदलाव के प्रति होने वाली एक भावनात्मक और शारीरिक प्रतिक्रिया है तनाव। हर किसी को तनाव होता है। तनाव सकारात्मक और आपको ऊर्जा देने वाला भी हो सकता है या अस्वास्थ्यकर और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करने वाला भी। हो सकता है कि कम समय-अंतरालों तक रहने वाला तनाव आपको प्रभावित न करे, लेकिन लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव आप पर प्रभाव डाल सकता है या हृदय रोग, हृदयाघात, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, आंतों में गड़बड़ी, दमा या गठिया जैसी कुछ बीमारियों को और अधिक बिगाड़ सकता है।

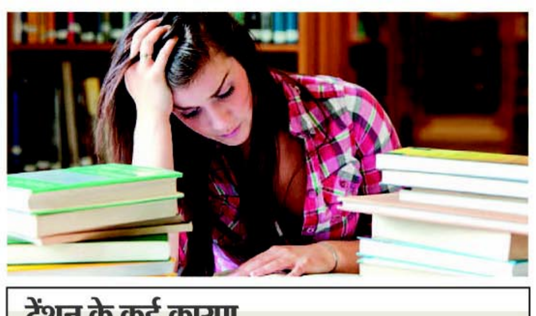

टेंशन के कई कारण...

प्रत्येक व्यक्ति के लिए तनाव के अलग-अलग कारण होते हैं। तनाव के कुछ सामान्य कारणों में परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु, बीमारी, अपने परिवार की देखरेख करना, रिश्तों में बदलाव आना, काम, नौकरी बदलना, जगह बदलना और पैसा हो सकते हैं। यहां तक कि देर तक इंतजार करना, विलंब हो जाना या भारी ट्रैफिक होना जैसी छोटी-छोटी चीजें भी तनाव का कारण हो सकती हैं।

काउंसलर की लें मदद

यदि आपको आवश्यकता हो तो किसी चिकित्सक से मदद प्राप्त करें। तनाव का सामना करने और समस्याओं से निपटने में काउंसलर आपकी मदद कर सकता है। उदासी के एहसास, घबराहट या सोने की समस्या दूर करने में सहायता के लिए आपका डाक्टर आपको दवाइयां लिखकर दे सकता है। कर्म पर ध्यान दें, परिणाम स्वतः ही उपयुक्त होगा। परिणाम चिंता का कारण है। अपने को श्रेष्ठ बनाएं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रखें। दूसरों की तरह करने का प्रयत्न न करें। 'उसकी साड़ी मेरी साड़ी से सफेद कैसे' के चक्कर में न पड़ें। थोड़ा बहुत तनाव अच्छा है, इसको हम स्ट्रेस कहते हैं। इसके चलते हम प्रगति करते हैं।

इस तरह करें सामना...

तनाव के लक्षणों पर ध्यान न दें। जब ये प्रकट हों तो इसके कारण से बचने या इनके प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बदलने की कोशिश करें। कुछ ऐसा करें जो आपको तनावमुक्त करे, जैसे-धीरे-धीरे और गहरी सांसें लेना, हाथ-पैर फैलाकर किए जाने वाले व्यायाम, योग, मालिश, ध्यान, संगीत सुनना, पढ़ना, गुनगुने पानी से स्नान करना या शॉवर लेना। कोई शौक पालें या कुछ ऐसा करें, जिसमें आपको आनंद आता है। जिन चीजों को आप नहीं बदल सकते, उन्हें स्वीकार करना सीखें। सकारात्मक सोच रखें। सीमा तय करें। 'नहीं' कहना सीखें। एक समय पर एक काम करें। हर रात 8 घंटे की नींद लें।

ये कॅरियर आपको जल्द बनाएंगे अमीर

हर इंसान अमीर बनने के ख्वाब देखता है। कॉलेज खत्म होने के बाद हम सबके सामने कॅरियर को चुनने का विकल्प होता है। हम उसी कॅरियर को चुनना चाहते हैं, जिसमें हम ज्यादा से ज्यादा पैसा कमा सकें और अपनी लाइफ को सही मायने में सैटल कर सकें। इस सबके लिए जरूरी है कि हम ऐसे कॅरियर का चुनाव करें जो हमें बहुत दूर तक ले जाएं। इसी से संबंधित हम आज आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे कॅरियर विकल्पों के बारे में जो आपके गोल को सही तरीके से चुनने में आपकी मदद करेंगे।

कोडिंग-डिकोडिंग दिमाग की उपज

आज के जमाने में कोडिंग-डिकोडिंग, प्रोग्रामिंग, डिजाइनिंग सब सॉफ्टवेयर क्रिएटर की दिमाग की उपज हैं, जो आज हम रोजमर्रा के लिए फेसबुक व अन्य वेबसाइट के माध्यम से इस्तेमाल करते हैं। इस जॉब के लिए आप में मैनेजमेंट स्किल के साथ इंट्रापर्सनल स्किल का होना भी जरूरी है।

बनें सॉफ्टवेयर क्रिएटर

सॉफ्टवेयर क्रिएटर सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स को डेवेलप करता है। अगर आप टेक्नोलॉजी में रुचि रखते हैं और नए-नए आइडिया सोचने में महारत हासिल रखते हैं तो यह जॉब आपके लिए है। मार्केट में हमेशा नए व हाई लेवल सॉफ्टवेयर की जरूरत रहती है। ऐसे में आपको अच्छी सैलरी पर जॉब मिल जाएगी। इस प्रोफेशन में आपके दिमाग का नए आइडिया के सोचने के लिए तेज होना जरूरी है साथ में आपके पास इंजीनियरिंग की डिग्री भी होनी चाहिए।

सबक लेकर पाएं तरक्की की राह

हर वर्ष कोई न कोई सीख दे जाता है। वर्ष 2014 ने भी ऐसी कई बातें सिखाई हैं, जिनसे सबक लेकर वर्ष 2015 में आप तरक्की की राह पकड़ सकते हैं। अधिकतर बिजनेस प्रतिभाओं की कमी से जूझ रहे हैं, जिससे जूनियर लीडर्स को अधिक मौके मिल रहे हैं। यह रुझान अगले 4-5 साल कायम रहेगा। यानि इस साल भी अधिक जवान लोगों को तरक्की मिलेगी। इस मौके का लाभ लें। इस वर्ष कैंपस में मिलने वाले इंटर्नशिप के मौके 20 प्रतिशत बढ़ गए। यह रुझान भी जारी रहेगा। यदि आप छात्र हैं तो इस मौके का फायदा उठाएं। कई कंपनियों में जवान लोगों के लीडरशिप संभालने के बीच रिटायर हो रहे कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने के लिए भी कंपनियां कई प्रस्ताव दे रही हैं। यदि आप रिटायर हो रहे हैं तो पार्टटाइम काम करने का ऑफर भी हासिल कर सकते हैं। पारम्परिक नौकरी का ढंग तथा रिपोर्टिंग स्ट्रक्चर में बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में लोगों से मेल-मिलाप के कौशल को सुधारिए।

किचन में शामिल करें ये जड़ी-बूटी

जब भी हम खाना खाने टेबल पर बैठते हैं, तो खाने का स्वाद ही हमारी भूख को संतुष्ट कर पाता है। सिर्फ इसी वजह से कुछ मास्टर्स अपनी डिश बनाने और उसे एक नया स्वाद देने के लिए मसालों से लेकर जड़ी-बूटी और कई चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आयुर्वेदिक कुकिंग में स्वाद बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि खाने को सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बने, बल्कि उसमें सभी सामग्री को एक साथ डालकर, किस प्रकार स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाया जाए। हर

सामग्री का अपना एक अलग गुण होता है, जिसके इस्तेमाल से आप शरीर को लाभ पहुंचा सकते हैं।

जड़ी-बूटी, एक तरह से स्वाद को निखारने और मजेदार बनाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाती हैं। अगर यह जड़ी-बूटी किचन में देखने को मिले, तो शायद ही कोई कुक ऐसा होगा जो, मामूली डिश को ज़ायकेदार बनाने से चूकेगा। यह ऐसी जड़ी-बूटी हैं, जो खाने में जान डाल देने वाली हैं। आप इन्हें कई तरह से अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। जैसे स्प्रिग (टहनी) को काटकर आप एक सामग्री की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या पास्ता में डाल सकते हैं। इसके अलावा आप इससे करी और मिश्रण भी तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, जिनके इस्तेमाल से आप अपने खाने को एक नया स्वाद देने के साथ शरीर को स्वास्थ्य संबंधित कई फायदे दे सकते हैं। आइए बताते हैं इन्हें आप किस तरह अपने किचन में प्रयोग में ला सकते हैं।

कढ़ी पत्ता

साउथ इंडियन क्यूज़ीन की शान कढ़ी पत्ता सबसे ज्यादा तीखे मीट, फ्राइड खाना समेत सांभर, रसम, उपमा, डोसा के भरावन मिश्रण और चटनी बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। कई लोग तो इसे दाल में तड़का लगाने में भी शामिल करते हैं। इसका तीखा स्वाद, भारतीय मसालों के अलावा काली मिर्च के साथ बहुत बढ़िया होता है। खाना बनाते समय तेल में तड़का लगाने के लिए इसकी महक ही काफी होती है।

तेजपत्ता

इस खुशबूदार पत्ते में कई आरोग्य गुण होते हैं। रसोई में यह दाल, करी, बिरयानी, राजमा और छोले के स्वाद को बढ़ाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह सूखा होता है। डिश में इसका हल्का स्वाद देने के लिए आप एक घंटे के लिए खाने को हल्की आंच पर रखकर छोड़ सकते हैं। यह खाया नहीं जाता, इसलिए डिश के बन जाने के बाद इसे निकालकर फेंक दिया जाता है। मार्किट में इसकी ताज़ा पत्तियां भी उपलब्ध हैं। ऐसा कहा जाता है कि रात में ताजे तेजपत्ता को पानी में भिगोकर रखने और सुबह उसी पानी का सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

पुदीना

पुदीना या मिंट अक्सर सभी के रसोईघर में मौजूद होता है। यह सिर्फ एक मेडिकल गुण रखने वाला ही नहीं, बल्कि डिश को अच्छा स्वाद देने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय घरों में पुदीना चटनी, ज्यादातर सभी तरह के खाने के साथ परोसी जाती है। कई बार मिंट का ताज़ा स्वाद गर्मियों में जूस और ड्रिंक्स में भी शामिल किया जाता है। पुदीना, पाचन क्रिया को सही कर, खांसी, ज़ुखाम, शरीर के दर्द और थकान को ठीक करने में मदद करता है।

होली बासिल (तुलसी)

स्टिर फ्राई खाने को हल्का तीखा स्वाद देने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**